RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 219 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 29 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

देवघर में 18 कांवड़ियों की मौत

कांवड़ियों से भरी बस और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर, 20 घायल

झारखंड (एजेंसी)। झारखंड के देवघर जिले में आज सुबह श्रद्धा का सफर एक भीषण सड़क हादसे में तब्दील हो गया। गोड्डा-देवघर मुख्य मार्ग पर मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया मोड़ के पास कांवड़ियों से भरी बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 18 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 5.30 बजे हुआ जब कांवरिया जलाभिषेक के लिए बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और घायलों की चीख-पुकार से इलाका दहल उठा।

सूचना मिलते ही मोहनपुर थाना प्रभारी प्रियरंजन के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को मोहनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। कई घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए देवघर रेफर किया गया है।

हादसे की खबर मिलते ही क्षेत्रीय बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा, श्रावण मास की पवित्र यात्रा के दौरान यह हादसा बेहद दुखद है। बाबा बैद्यनाथ दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस दु:ख को सहने की

शक्ति दें। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी हादसे पर संवेदना जताते हुए ट्वीट किया, देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास हुए हादसे की खबर बेहद पीड़ादायक है। जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य किया जा रहा है और घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा रही है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति और परिजनों को यह वज्रपात सहने की शक्ति दें।

देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम को द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख माना जाता है। श्रावण महीने में देशभर से लाखों श्रद्धालु गंगा जल लेकर जलाभिषेक के लिए यहां आते हैं। ऐसे में यह हादसा न केवल दर्दनाक है बल्कि प्रशासन और सड़क सुरक्षा पर भी कई सवाल खड़े करता है। फिलहाल राहत कार्य जारी है और घायलों के इलाज पर नजर रखी जा रही है। प्रदेश सरकार ने हादसे की जांच के आदेश भी दिए हैं। वहीं, मृतकों के परिजनों को मुआवजे और अन्य सहायता देने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है।

'ऑपरेशन महादेव' में मारे गए पहलगाम हमले के आतंकी : शाह

मारे गये आतंकी पाकिस्तानी, हुई पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद में बहस आज भी जारी है. गृह मंत्री अमित शाह ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन महादेव' में पहलगाम हमले में शामिल तीन आतंकी मारे गए हैं। यह तीनों पाकिस्तानी आतंकी थे। दो आतंकियों के पास पाकिस्तान के वोटर कार्ड तथा पाकिस्तान की चॉकलेट भी मिली है। गृहमंत्री ने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने 1971 और शिमला समझौते के दौरान पीओके नहीं मांगा था। हमारे पास 93 हजार युद्धबंदी थे जिसके बावजूद कांग्रेस की सरकार ने पाकिस्तान को नहीं झुका पाई।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि इसमें किसी को चुनावी भाषण दिखाई देता है, तो उसकी समझ पर सवालिया निशान लगता है। यह चुनावी भाषण नहीं, देश की 140 करोड़ जनता की भावनाएं हैं। जैसे चश्मे होते हैं, वैसा ही दिखाई देता है। 30 अप्रैल को सीसीएस की बैठक में सेनाओं को पूर्ण ऑपरेशनल फ्रीडम देने का काम मोदी जी ने किया. 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चला और नौ (शेष पृष्ठ-4 पर)

चिंदबरम के बयान की आलोचना

गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम के बयान की भी सदन में आलोचना की। उन्होंने आतंकियों को बचाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि हमारे पास प्रूफ है, जो मैं सदन के सामने रखूंगा। उन्होंने बताया की मारे गए तीन आतंकियों में दो के वोटर नंबर भी हमारे पास हैं. वे पाकिस्तानी आतंकी थे. आतंकियों के पॉकेट से जो चॉकलेट मिले वो भी पाकिस्तान में बनाई गई थी। अमित शाह ने कहा कि आज कांग्रेस से आए पूर्व गृह मंत्री सबूत मांग रहे हैं. इस बीच सदन में हंगामा मच गया। गृह मंत्री ने विपक्ष से कहा कि धैर्य रखें, अभी शुरू हुआ है. उन्होंने कहा, 'मैं घटनाक्रम की पूरी जानकारी दूंगा'।

क्रेटा कार ने महिला को रौंदा

नोएडा (चेतना मंच)। जिले में बेलगाम वाहनों की रफ्तार का कहर थम नहीं रहा है। थाना बीटा रोड क्षेत्र में तेज गति में आ रही क्रेटा कार की चपेट में आने से महिला की दर्दनाक मौत हो गई।

मूलरूप से जनपद हमीरपुर का रहने वाला अजीत सिंह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ हाल में नवादा गांव में किराए पर रह रहा है। अजीत सिंह की पत्नी सुमन वर्मा 28 जुलाई को नवादा गांव से बीटा-2 में काम करने के लिए आ रही थी। फादर एंजल स्कूल की सर्विस रोड पर पैदल जा रही सुमन वर्मा को तेज गति में आ रही क्रेटा कार के चालक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद

कार चालक मौके से फरार हो गया। इस हादसे में सुमन वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान सुमन वर्मा की मौत हो गई। इस संबंध में अजीत सिंह ने क्रेटा कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि कार नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

दहेज उत्पीड़न में पति समेत 6 नामजद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर में एक महिला ने अपने पति सहित 6 ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति व ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते हैं। मायके से 5 लाख रुपए व कार ना लाने पर अक्सर उसके साथ मारपीट की जाती है। थाना जेवर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली सोनिया (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई के रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी वर्ष 2016 में ग्राम शेखपुरा जनपद पलवल हरियाणा निवासी राकेश कुमार के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसके पति राकेश कुमार, जेठ अरुण कुमार, जेठानी पूनम, देवर अजय, देवरानी मीनाक्षी तथा ससुर गयाप्रसाद ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पति व उसके ससुराल वाले उस पर मायके से 500000 रूपये व स्विफ्ट कार लाने का दबाव बनाने लगे। उसने जब उनकी मांग पूरी करने से इनकार किया तो आरोपियों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

निर्माणाधीन दीवार गिराई

नोएडा (चेतना मंच)। इलाहाबास गांव की निम्मी विहार कॉलोनी में अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य करा रहे व्यक्ति ने चार महिलाओं सहित पांच लोगों के खिलाफ थाना फेस-2 में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि महिलाओं ने उसके प्लॉट पर जाकर जबरन उसकी निर्माणाधीन दीवार को गिरा दिया और उसे जान से मारने की धमकी दी। याकूबपुर में रहने वाले अभिषेकनाथ तिवारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका एक प्लॉट ग्राम इलाहाबास कॉलोनी निम्मी बिहार सेक्टर-89 गली नंबर-4 ब्लॉक ए में स्थित है। 27 जुलाई को है अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य करा रहा था। इस दौरान उसके प्लॉट पर सौम्या पत्नी अंकुर गौर, मुन्नी पत्नी सतवीर, सुषमा पत्नी राजेंद्र शर्मा, मीना पत्नी किशन कुमार पहुंची। महिलाओं ने उसकी निर्माणाधीन दीवार को गिरा दिया। उसने जब इस बात का विरोध किया तो महिलाओं ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी। अभिषेक नाथ तिवारी के मुताबिक तुगलकाबाद (शेष पृष्ठ-4 पर)

झुग्गी नेता को पुलिस ने किया नजरबंद

नोएडा (चेतना मंच)। 12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन की घोषणा करना झुग्गी-झोपड़ी सेवा उत्थान समिति संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष उदय सिंह को भारी पड़ी। आज सुबह ही पुलिस ने सेक्टर-73 स्थित उनके मकान को घेर कर नजरबंद कर दिया। पूछने पर पुलिस ने बताया कि उनके बड़े अधिकारी आकर उनसे वार्ता करेंगे। उधर इस खबर से नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी भी सतर्क हो गए। प्राधिकरण की ओर से उदय सिंह को फोन करके वार्ता के लिए सेक्टर-6 स्थित प्राधिकरण में बुलाया गया। बता दें कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-122 में झुग्गीवासियों के मकानों की मरम्मत न करने तथा 200 लोगों के आवंटन (शेष पृष्ठ-4 पर)

क्राइम फाईल

घर से किशोरी लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के रायपुर गांव से एक किशोरी घर से बिना बताए चली गई। किशोरी के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। रायपुर गांव में किराए पर रहने कोमल (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी (15 वर्षीय) बहन 27 जुलाई को घर से बिना बताए चली गई। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई पता नहीं चला। उन्होंने अपने रिश्तेदारी में भी जानकारी की लेकिन उनकी बहन किसी भी रिश्तेदारी में नहीं गई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

घर से नकदी व मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-51 में चोरों ने एक घर से नगदी, मोबाइल फोन व पानी की टोंटियां चोरी कर ली।

सेक्टर-106 में रहने वाले नीरज कटियार उन्हें दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि चोरों ने उनके सेक्टर-51 बी ब्लॉक के मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। 28 जुलाई के दोपहर को एक अज्ञात व्यक्ति घर में घुसा। उक्त व्यक्ति घर में रखे 5000 रूपये, मोबाइल फोन व पानी की टोटी को चोरी कर ले गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि चोर की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। चोर की पहचान के लिए सेक्टर में लगे सीसीटीवी कैमरा की मदद ली जा रही है।

बाइक सवार से मोबाइल झपटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दादरी के ब्रह्मपुरी मोहल्ले में रहने वाले प्रशांत रूहेला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 22 जुलाई की रात्रि को नहर बाईपास पेट्रोल पंप के पास से पैदल जा रहा था। इस दौरान पीछे से बाइक पर आये एक बदमाश ने उसके हाथ से मोबाइल फोन झपट लिया। उसने बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी बाइक से फरार हो गया।

मीडियाकर्मी पर हमले का आरोपी दबोचा

मुठभेड़ में लगी गोली, तमंचा व चाकू बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। सर्फाबाद गांव में बीती रात्रि मीडियाकर्मी पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में लंगड़ा कर दिया। पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा कारतूस व वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ है।

ग्राम सर्फाबाद निवासी प्रमोद शर्मा एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में फोटो जर्नलिस्ट के रूप में कार्यरत है। बीती रात वह ऑफिस से ड्यूटी खत्म कर अपने घर जा रहे थे। सर्फाबाद गांव स्थित अपने घर के पास प्रमोद शर्मा ने अपनी गाड़ी रोकी और एक व्यक्ति से बात करने लगे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले गांव के ही दीपक पुत्र विनोद ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। गाड़ी का शीशा आधा खुलने के कारण चाकू के वार प्रमोद शर्मा के कंधे पर लगे और वह घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर प्रमोद शर्मा के परिजनों ने आरोपी दीपक को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह भाग निकला।

मीडियाकर्मी पर हुए हमले की सूचना मिलने पर मौके पर डीसीपी यमुना प्रसाद, एडीसीपी सुमित शुक्ला, थाना सेक्टर-113 प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायल प्रमोद शर्मा को उपचार के लिए अस्पताल भेजने के बाद पुलिस टीम ने बदमाश की तलाश में कांबिंग शुरू की। बदमाश की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगाई गई । देर रात पुलिस की एक टीम ने सर्फाबाद गांव के पास बने नागोरी फार्म हाउस के पास दीपक को घेर लिया। खुद को घिरा देखकर दीपक पुत्र विनोद शर्मा ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से दीपक घायल हो गया। घायल दीपक के पास से तमंचा, कारतूस व घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ। एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि पकड़ा गया दीपक शातिर बदमाश है और इस पर 11 मुकदमे पंजीकृत हैं।

भरे बाजार में पॉकेट से मोबाइल उड़ाया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के रोजा जलालपुर गांव में लगने वाले संडे बाजार से चोरों ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

रोजा जलालपुर में रहने वाले त्रिलोकी मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 20 जुलाई की शाम को खरीदारी करने के लिए संडे मार्केट गया था। मार्केट में भीड़ अधिक थी, इस दौरान किसी ने उसकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। कुछ समय बाद उसे मोबाइल चोरी होने की जानकारी हुई। उसने अपने मोबाइल की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

4 करोड़ की लागत से होगा ट्रांसपोर्टनगर का सौंदर्यीकरण

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-67 स्थित ट्रांसपोर्टनगर का अब सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस कार्य के लिए करीब 4 करोड़ रूपये खर्च किए जाएंगे। इस परियोजना के डिजाइन को सीईओ ने मंजूरी भी प्रदान कर दी है।

गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन के पास शशि चौक से नोएडा सिटी सेंटर तक 1.2 किलोमीटर के हिस्से को पैदल मार्ग, म्यूरल बेंच, पैनिक बटन वाले स्मार्ट पोल, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, बस बे और वाईफाई ज़ोन के साथ नया रूप दिया गया था। ओरियन द्वारा डिज़ाइन की गई इस पायलट परियोजना की लागत लगभग 4 करोड़ रुपये थी और इसका उद्देश्य विशेष रूप से पैदल यात्रियों के लिए एक सुरक्षित और जीवंत स्थान प्रदान

करना था। मॉडल रोड सिंगापुर, लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों से प्रेरित है।

डीएस रोड पर बनने वाले इस कॉरिडोर में ग्रीन बेल्ट और वाकिंग ट्रैक बनाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि सड़क के दोनों ओर ग्रीनरी विकसित की जाएगी और पूरे रास्ते में सजावटी लाइटिंग की जाएगी। इस योजना में दिव्यांगों के लिए विषेश ध्यान दिया जाएगा। इसमें म्यूरल, बेंच, बोलार्ड और रैंप लगाया जाएगा। ग्रीन बेल्ट के बीच जल निकासी व्यवस्था होगी। गोल चक्कर के पास कियोस्क लगाए जाएंगे ताकि लोग यहां स्ट्रीट फूड का मजा ले सके।

6 माह में बन जाएंगे भंगेल एलिवेटेड के चार लूप

हनुमान मंदिर व सेक्टर-107 में बनेंगे वाहनों के चढ़ने-उतरने के लूप

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में दादरी-सूरजपुर-छलेरा (डीएससी) रोड पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड रोड के काम पूरा हो चुका है। सोमवार के इसके सर्फेस पर 50 मीटर का बिटुमिन का कार्य भी पूरा कर लिया गया। लाइटिंग और दोनों एंट्री और एक्जिट पाइंट पर सौंदर्यीकरण का काम होगा। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि 15 अगस्त के बाद ही इस एलिवेटेड रोड को लोगों के लिए खोला जाएगा। इस रोड के शुरू होने से नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे पर ट्रैफिक भार कम होगा।

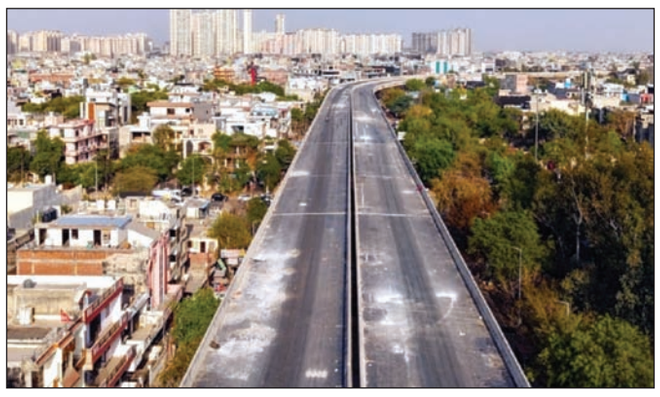

ऊपर से वाहनों की आवाजाही होने के बाद ही एलिवेटेड के नीचे रोड बनाने का काम शुरू होगा। इसके अलावा एलिवेटेड पर चढ़ने व उतरने के लिए दो-दो लूप बनाने के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। लूप बनाने का काम छह

महीने में पूरा होगा। एसीईओ संजय खत्री ने बताया कि लूप का निर्माण इसके साथ शुरू करवाने से एलिवेटेड का ऊपरी काम रुक जाता। यातायात को ध्यान में रखते हुए ही पहले एलिवेटेड को शुरू कराया जाएगा। इसके बाद लूप का निर्माण शुरू करेंगे।

इस एलिवेटेड रोड के लिए सेक्टर-49-107 चौराहे पर दोनों ओर दो-दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूरजपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा। इसके दूसरी तरफ सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे।

यह परियोजना पहले से ही करीब तीन साल देरी से चल रही है। निर्माण में 608 करोड रुपए खर्च किए जा रहे है। यह एलिवेटेड रोड सेक्टर-41 अगाहपुर से फेज-टू के गंदे नाले के पास तक है। इसका काम जून 2020 में शुरू किया गया था। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एलिवेटड रोड का निर्माण पूरा हो चुका है। एलिवेटड के प्रत्येक कर्व पर कवरिंग शीट भी लगाई जाएगी। रोड पर दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

रैगिंग का रोग

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यही वजह है कि यूजीसी को चेतावनी देने को बाध्य होना पड़ा कि रैगिंग के किसी तरह के क्रियाकलाप पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ऐसा न करने पर इन शिक्षण संस्थानों की रेटिंग कम करने तथा अनुदान रोकने की कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में रैगिंग जैसी कुरीति पर रोक लगाने के लिये जहां सीनियर छात्रों के लिये परामर्श केंद्र बनाये जाने चाहिए, वहीं नये छात्रों की भी काउंसिलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नयी परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि स्त्रियाँ झुंड की झुंड मिलकर चलीं। स्वाभाविक श्रृंगार किए ही वे उठ दौड़ीं। सोने का कलश लेकर और थालों में मंगल द्रव्य भरकर गाती हुईं राजद्वार में प्रवेश करती हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करि आरति नेवछावरि करहीं। बार बार सिसु चरनन्हि परहीं॥
मागध सूत बंदिगन गायक। पावन गुन गावहिं रघुनायक॥

वे आरती करके निछावर करती हैं और बार-बार बच्चे के चरणों पर गिरती हैं। मागध, सूत, वन्दीजन और गवैये रघुकुल के स्वामी के पवित्र गुणों का गान करते हैं॥

सर्बस दान दीन्ह सब काहू। जेहिं पावा राखा नहिं ताहू॥
मृगमद चंदन कुंकुम कीचा। मची सकल बीथिन्ह बिच बीचा॥

राजा ने सब किसी को भरपूर दान दिया। जिसने पाया उसने भी नहीं रखा (लुटा दिया)। (नगर की) सभी गलियों के बीच-बीच में कस्तूरी, चंदन और केसर की कीच मच गई॥

दो0-गृह गृह बाज बधाव सुभ प्रगटे सुषमा कंद।
हरषवंत सब जहँ तहँ नगर नारि नर बृंद॥

घर-घर मंगलमय बधावा बजने लगा, क्योंकि शोभा के मूल भगवान प्रकट हुए हैं। नगर के स्त्री-पुरुषों के झुंड के झुंड जहाँ-तहाँ आनंदमग्न हो रहे हैं॥

(क्रमशः....)

तीर्थस्थलों पर आकस्मिक भगदड़

उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित सुप्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में गत रविवार को सुबह आरती के समय अचानक बेकाबू हुई भीड़ से मची भगदड़ से हुए हादसे में जहां 8 लोगों की जान चली गई, वहीं 26 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इससे भक्त और भगवान के व्याकुल अन्तर्सम्बन्धों के साथ-साथ मंदिर प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सुलगते हुए सवाल उठ हैं। ऐसा इसलिए कि अपने आपमें न तो यह पहली घटना है और न ही अंतिम! बावजूद इसके, बेगुनाहों की मौतों का यह सिलसिला कब थमेगा, विश्वास पूर्वक कुछ कहा नहीं जा सकता है, क्योंकि ब्रेक के बाद देश भर के सुप्रसिद्ध मंदिरों या फिर उससे जुड़े अनुष्ठानों में ऐसे हादसे होते रहते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि पहले भी भीड़ जुटने के बाद अचानक मचने वाली भगदड़ में कई जानें जा चुकी हैं। सिर्फ मंदिर ही नहीं, अन्य सेलिब्रेटिज के दीदार या यात्रा सम्बन्धी भीड़ बढ़ने के बाद भी महज एक छोटी सी अफवाह कई लोगों की जान ले लेती हैं और बहुतेरे लोगों को घायल कर जाती हैं। इसमें महिलाओं और बच्चों के शिकार होने की संभावना ज्यादा होती हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, गत 4 जून 2025 को आईपीएल में आरसीबी जीत का जश्न मनाने के लिए खेल के मंदिर यानी चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए समारोह में अकस्मात मची भगदड़ से 11 लोग मारे गए।

वहीं, बीते 3 मई 2025 को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव में मची अचानक भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और 100 लोग घायल हुए। जबकि गत 15 फरवरी 2025 को रेल यात्रा के मंदिर यानी नई दिल्ली स्टेशन पर अकस्मात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। तब ये लोग महाकुंभ जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। वहीं, 29 जनवरी 2025 को महाकुंभ %अमृत स्नान% में भाग लेने के लिए लाखों लोगों की भीड़ जुटने के बाद संगम नोज क्षेत्र में मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य घायल हो गए। इससे पहले गत 8 जनवरी 2025 को तिरुमाला हिल्स स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के टिकट के लिए हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालु मारे गए, जबकि दर्जनों घायल हो गए।

अब बात करते हैं बीते वर्ष हुई भगदड़ सम्बन्धी घटनाओं की। गत 2 जुलाई 2024 को यूपी के हाथरस में स्वयंभू दलित बाबा समझे जाने वाले भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि के सत्संग में भगदड़ से 100 से अधिक मौतें हुई। इससे एक साल पहले यानी 31 मार्च 2023 को इंदौर में एक मंदिर में रामनवमी पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान प्राचीन %बावड़ी% के ऊपर बनी स्लैब के ढहने से 36 लोगों की मौत हो गई। इससे एक वर्ष पूर्व यानी 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के

आंकड़े बताते हैं कि पहले भी भीड़ जुटने के बाद अचानक मचने वाली भगदड़ में कई जानें जा चुकी हैं। सिर्फ मंदिर ही नहीं, अन्य सेलिब्रेटिज के दीदार या यात्रा सम्बन्धी भीड़ बढ़ने के बाद भी महज एक छोटी सी अफवाह कई लोगों की जान ले लेती हैं और बहुतेरे लोगों को घायल कर जाती हैं।

कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक घायल हो गए।

इसी प्रकार एक दशक पहले यानी 14 जुलाई 2015 को आंध्रप्रदेश के राजमुंदरी में आयोजित %पुष्करम% उत्सव के पहले दिन ही गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ मचने से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। वहीं, 3 अक्टूबर 2014 को दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोग मारे गए और 26 अन्य घायल हो गए। वहीं, 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए।

यही वजह है कि उपर्युक्त तमाम जगहों के प्रबंधकों/व्यवस्थापकों के साथ-साथ भक्ति या दीवानगी में बेलगाम होते जा रहे श्रद्धालुओं/शुभचिंतकों, अनुगामियों की भूमिका पर सवाल दर सवाल उठ रहे हैं। यह जनपद प्रशासन और पुलिस प्रशासन की नाकामी का भी परिचायक है, क्योंकि देश के विभिन्न जिलों में ऐसी लोमहर्षक और हृदयविदारक घटनाएं ब्रेक के बाद होती रहती हैं, लेकिन हमारी केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय नगरीय निकायों/ग्रामीण निकायों के निर्देश पर सक्षम प्रशासन द्वारा या एनडीआरएफ की ओर से ऐसी कोई माकूल व्यवस्था नहीं की गई कि भीड़ बढ़ने के बाद उसपर हर हाल में काबू पाया जा सके। यदि ऐसा संभव होता है कि इन आकस्मिक मौतों और घायलों को होने वाली पीड़ा को टाला जा सकता है।

इसलिए जहां तक मंशा देवी मंदिर पर घटी हालिया भगदड़ का सवाल है तो यह बेहद चिंता की बात है, क्योंकि देवभूमि उत्तराखंड का प्रवेशद्वार हरिद्वार को ही माना जाता है। इस अव्यवस्था से पर्यटकों की संख्या भी प्रभावित हो सकती है। यह ठीक है कि हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में जो बच गए, वे खुद पर माता बड़ी कृपा मान रहे है। लेकिन जिन लोगों की जान इस अप्रत्याशित हादसे में चली गई, आखिर उनकी खता क्या रही होगी, इस पर भगवान भी मौन हैं और श्रद्धालुओं का जत्था स्तब्ध।ऐसे में प्रारब्ध की बात कहकर आखिर कबतक प्रबंधन सम्बन्धी व प्रशासनिक लापरवाहियों पर खामोश रहा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि हरिद्वार में शिवालिक पहाड़ियों पर लगभग 500 फीट से अधिक ऊंचाई पर मनसा देवी मंदिर स्थित है, जहां की सीढ़ियां भी खड़ी चढ़ाई वाली हैं। दरअसल, कांवड़ यात्रा के कारण बंद हुए रास्ते भी रविवार को खुल गए थे, जिससे मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई। सीढ़ियां भी छोटी हैं, जहां बरसात में फिसलन होती है।

इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि मंदिर परिसर में सुबह की आरती के समय भीड़ के बीच अचानक धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। यहां भगदड़ से पहले का एक विडियो फुटेज भी सामने आया है। जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर जाने वाला पैदल मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरा है। भीड़ इतनी थी कि कि मनसा देवी जाने वाला पैदल मार्ग पर लोग एक-दूसरे से बुरी तरह चिपके हुए थे। इस तरह की स्थिति में तमाम लोग छोटे-छोटे बच्चों के साथ भी भीड़ में फंसे हुए दिख रहे हैं।

बताया जा रहा है कि तभी अचानक किसी ने बिजली का तार टूटने की अफवाह फैला दी और इससे डरकर लोगों में भगदड़ मच गई। लोग भागने लगे और इस दौरान एक-दूसरे पर गिरने लगे। जो गिर गया, वह फिर उठ नहीं पा रहा था और उसके ऊपर से कितने ही लोग गुजर जा रहे थे। ऐसे में जो बच गए, उनमें से कई घायल है। भगदड़ की सूचना के बाद जब एबुलेंस पहुंची, तो कई घायल लोग प्रवेश द्वार पर लावारिस पड़े हुए थे। देवी को चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं द्वारा लाई गई चुनरियां हरिद्वार में पहाड़ी पर स्थित मंदिर की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर बिखरी पड़ी थी। प्रवेश द्वार पर ढेर सारे जूते-चप्पल भी लावारिस पड़े थे।

इस घटना के तुरंत बाद एम्बुलेंस को बुलाया गया ताकि हताहतों को बचाया जा सके। इसलिए वायरल एक विडियो में एक पुलिसकर्मी घायल बच्चे को गोद में लिए एंबुलेस की ओर दौड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं, एक अन्य एम्बुलेस के अंदर दर्द से तड़प रहा घायल अपने रिश्तेदारों के बारे में पूछताछ कर रहा था, जो भगदड़ के दौरान बिछड़ गए थे। एक अन्य विडियो में संकरे रास्ते में लोग फंसे हुए नजर आ रहे है, जिसमें बच्चे भी है। भगदड़ से कुछ देर पहले शूट किए गए एक विडियो में एक महिला भीड़ में फंसी हुई दिखाई दे रही है, जो मुश्किल से अपने बच्चे को संभाल पा रही है।

- कमलेश पांडेय

विवादास्पद राज्यपाल व उपराष्ट्रपति धनखड़

कार्यकाल समाप्ति से दो साल पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ का कार्यकाल सर्वाधिक विवादों से भरा रहा है। देश में इतने विवाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल पद पर रहते हुए किसी के साथ नहीं जुड़े, जितने धनखड़ के नाम दर्ज हैं। इस पद पर रहते हुए धनखड़ पर कई तरीके के आरोप लगे। उपराष्ट्रपति पद से पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहते हुए भी धनखड़ विवादों से घिरे रहे। केंद्र की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने वाले धनखड़ को ईनाम के तौर पर उपराष्ट्रपति पद से नवाजा था। इसके बावजूद कि धनखड़ का न तो भारतीय जनता पार्टी और न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी गहरा सरोकार रहा। जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। उनके इस रुख को विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना, क्योंकि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी टिप्पणियां सरकार के खिलाफ थीं।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का विपक्षी दलों के साथ रिश्ता हमेशा तनावपूर्ण रहा। विपक्ष ने उन पर पक्षपात और सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। राज्यसभा अध्यक्ष के रूप में धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगे। विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही में पक्षपात किया और भाजपा सदस्यों को प्राथमिकता दी जबकि विपक्ष की आवाज को दबाया। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम करार दिया था। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब विपक्षी दलों ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। हालांकि इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। विपक्षी दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के 60 से ज्यादा सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 67(ब) के तहत धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में उन्हें सरकार का प्रवक्ता कहा गया और निष्पक्षता की गंभीर कमी बताई गई। जनवरी 2023 में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की मूल संरचना सिद्धांत के पुनरावृत्ति के संदर्भ में बयान दिया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि संसद के बनाए कानूनों को अगर अदालत रोक देती है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा होगा। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। विपक्ष ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। जस्टिस वर्मा के घर पर कैश बरामदगी मामले में धनखड़ के बयान के बाद भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को लेकर बहस छिड़ गई थी। धनखड़ ने कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द नहीं किया होता तो बात कुछ अलग होती। गौरतलब है कि एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर 2020 दिसंबर में भी धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश संसद की संप्रभुता से समझौता है और जनादेश का अपमान है। मार्च 2023 में धनखड़ ने शैक्षणिक संस्थानों और छात्र राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि कुछ विश्वविद्यालय देश विरोधी विचारधाराओं की शरणस्थली बन चुके हैं।

उपराष्ट्रपति के इस बयान को जेएनयू और कुछ अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की ओर इशारा माना गया। विपक्षी दल, जैसे सीपीआई और सीपीएम ने उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति की यह भाषा संघी एजेंडे की झलक देती है। छात्र संगठनों ने धनखड़ से बयान वापस लेने की मांग की थी। किसान आंदोलन के दौरान जगदीप धनखड़ ने किसानों की आलोचना की। उन्होंने कहा था कि किसान आंदोलन के नाम पर सडकों पर बैठ कर राष्ट्र को बदनाम कर रहे हैं, वे किसान नहीं हैं। धनखड़ की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों और खाप संगठनों ने आपत्ति जताई। अक्टूबर 2024 में उन्होंने सीबीआई और ईडी के समर्थन में बयान दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाना भारत के न्यायिक तंत्र को कमजोर करता है। उनके इस बयान को विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों की मनमानी कार्रवाई का समर्थन के तौर पर माना। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 27 मार्च 2025 को लाया गया। इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को धनखड़ ने खारिज कर दिया। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि यूपीए शासनकाल में पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) पर सोनिया गांधी का नियंत्रण था। धनखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए इसे सत्यापित बयान बताया। अगस्त 2024 में महिला गरिमा पर बहस के दौरान राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने धनखड़ की बोलने की शैली और हाव-भाव पर आपत्ति जताई। बच्चन ने कहा कि उनकी टोन अनुचित है। इसके जवाब में धनखड़ ने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं, लेकिन सदन की मर्यादा समझिए। दिसंबर 2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ पर अधिवेशन में विपक्षी सांसदों को रोकने का आरोप लगा था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद के शीत सत्र में विपक्षी सांसदों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा था कि यह उपराष्ट्रपति नहीं, भाजपा प्रवक्ता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। सभापति धनखड़ ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए लोकतंत्र को खतरे वाला बयान दिया, जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हैं और उन्हें संसद में नहीं, देशद्रोहियों के कटघरे में होना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान इशारे के तौर पर विपक्ष की संसद में बहिष्कार रणनीति के संदर्भ में दिया गया। कई विपक्षी नेताओं ने असहमति जताते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र में असहमति को दबाने की कोशिश है।

धनखड़ अपने कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अपनी टिप्पणियों के लिए भी चर्चा में रहे। उन्होंने आरएसएस को वैश्विक थिंक टैंक और राष्ट्र निर्माण में निर्विवाद भूमिका वाला संगठन बताया, जिसे विपक्ष ने भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा के रूप में बताया। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा था कि शेखावत साहब भी उपराष्ट्रपति बने थे। लेकिन उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा। जबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ पूरे प्रोटोकॉल के तहत राजस्थान के दौरे पर आ रहे हैं। गहलोत ने उपराष्ट्रपति धनखड़ पर तंज कसते हुए कहा था कि आप उपराष्ट्रपति हैं। आपका स्वागत है। लेकिन इस तरीके से बार-बार राजस्थान में अपना दौरा करेंगे तो जनता तो सब समझती है। इस दौरे को करने की क्या तुक है? जनता समझती है। राजस्थान में चुनाव हैं, इसलिए उपराष्ट्रपति भी सक्रिय हैं। संविधान में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों के लिए विशेष प्रावधान और सम्मान है। सवाल यह है कि इन प्रावधानों और सम्मान के विपरीत पदों को विवादित बनाने से इन पदों की गरिमा कैसे बनी रहेगी, ये इन पदों पर आसीन लोगों के विचारणीय प्रश्न हैं।

योगेंद्र योगी
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, पंचमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा परेशानी में रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार आपका सही चलता रहेगा। सूर्य को जल देते रहें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। गृह कलह के बड़े संकेत हैं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे रहेगा। व्यापार या व्यापारिक संबंध थोड़े मध्यम रहेंगे। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। निवेश बिल्कुल मत करिएगा। धन हानि के संकेत हैं। प्रेम, संतान की स्थिति थोड़ा मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
घबराहट, बेचैनी, मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य से संबंधित परेशानी रहेगी। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, इत्यादि। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी लगभग अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक अशांति बच्चों की सेहत को लेकर, प्रेम को लेकर। आय की स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पिता के स्वास्थ्य को लेकर, स्वंय के स्वास्थ्य को लेकर, राजनीतिक स्थिति को लेकर के, व्यावसायिक स्थिति को लेकर के मन चिंतित रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
यात्रा करने से अभी बचना चाहिए। भाग्य में भरोसा करके अभी कोई भी काम न करें। एक दो दिन रुक जाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। साथ भी बहुत अच्छा नहीं दिख रहा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा, लेकिन डिस्टर्बिंग टाइम रहेगा। कार्यों में विघ्न-बाधा की अधिकता रहेगी।

शारदा विश्वविद्यालय में सेमिनार का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च और सामान्य चिकित्सा विभाग विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर सेमिनार का आयोजन कर रहा है।इसका उद्देश्य हेपेटाइटिस के महत्व, जटिलताओं और शीघ्र पहचान की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना। प्रतिभागियों को जीवनशैली में बदलाव के बारे में जागरूक करना। लिवर से जुड़े हेपेटाइटिस इंफेक्शन के बारे में जागरूकता पैदा करना है, वैसे तो हेपेटाइटिस कई तरह का होता है लेकिन, लिवर के लिए बेहद खतरनाक है। लिवर हमारे शरीर के सबसे जरूरी अंगों में से एक है। यह शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को बाहर निकाले में अहम भूमिका निभाता है। लिवर में किसी तरह की परेशानी हो जाए, तो इससे पूरा सिस्टम बिगड़ जाता है।इस वर्ष थीम की थीम है चलो इसे तोड़ दें है।

शारदा अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ राममूर्ति शर्मा ने कहा कि वर्तमान में लिवर से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं और बड़ी संख्या में युवा इसकी चपेट में आ रहे हैं. अनहेल्दी खानपान और खराब लाइफस्टाइल के चलते कई लोग हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को बाहर करने में लिवर का बड़ा रोल होता है। अनहेल्दी खानपान और खराब लाइफस्टाइल के कारण कई लोग हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। बता दें, इन्हीं लोगों को जागरूक करने के मकसद से हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। इस बीमारी में लिवर में सूजन आ जाती है और खाना पचाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, जरूरी है कि समय रहते इसके लक्षणों को पहचानकर इलाज की ओर आगे बढ़ा जाए।

शारदा अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ भूमेश त्यागी के अनुसार हेपेटाइटिस लिवर की बीमारी है, जिसमें लीवर कमजोर हो जाता है। जब लीवर कमजोर होती है, तो पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है। ऐसे में हेपेटाइटिस होने पर खान-पान के प्रति खास सावधानी बरतनी चाहिए। पाचन न गड़बड़ाए, इसके लिए किसी खास डाइट प्लान की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ चीजों के सेवन के प्रति सावधानी बरतनी भी जरूरी है। हेपेटाइटिस का छह महीने से अधिक समय तक उपचार न हो तो यह जानलेवा हो सकता है।

इस दौरान डॉ एके अग्रवाल,डॉ दीपक शर्मा,डॉ निखिल गुप्ता समेत विभिन्न शहर के अस्पताल के डॉक्टर भी शामिल हुए।

वैदपुरा गांव के किसानों ने सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वैदपुरा गांव की जमीन एनपीसीएल बिजली कंपनी द्वारा अधिकृत की गई थी जिसको लेकर गांव के किसानों से कई वादे किए जिसमें मुफ्त बिजली किसानों के बच्चों को रोजगार वैदपुरा गांव का चौमुखी विकास करने की बात कही गई थी लेकिन एनपीसीएल कंपनी द्वारा वादा खिलाफी करते हुए किसानों के ऊपर बिजली चोरी के मुकदमे दर्ज कराए गए वह किसानों को प्रताड़ित किया गया।

जिसको लेकर वैदपुरा गांव का एक प्रतिनिधिमंडल प्रबंधक सुबोध त्यागी से मिला यदि मांगे पूरी न हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा इस मौके पर सतीश नगर सुंदर नगर अरविंद नगर राज सिंह नगर जगबीर नंबरदार हैप्पी पंडित संदीप नगर गौरव नगर प्रकाश चौधरी सुरेश नगर करतार नागर 21 सदस्य प्रतिनिधि मंडल मौजूद रहा।

तीज पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली पुलिस सोसाइटी के सेंट्रल पार्क में हरियाली तीज पर पारंपरिक पोशाक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के संयोजक जितेन्द्र नागर एडवोकेट ने बताया तीज महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम यह पर्व सावन माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है और इसका धार्मिक महत्व शिव-पार्वती के पुनर्मिलन से जुड़ा है। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक लहंगा व घाघरा वेशभूषा में सज-धजकर भाग लिया। झूले झूलना, व मेहंदी रचाना, के साथ लोकगीत गाना, और समूह नृत्य जैसे आयोजन उत्सव की शोभा बने।

वैश्य समाज ग्रेनो की महिला सदस्यों ने हर्षोल्लास से मनाया तीज महोत्सव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति, ग्रेनो द्वारा आयोजित तीज महोत्सव वैश्य समाज की महिला सदस्यों ने श्री महाराजा अग्रसेन भवन में हर्षोल्लास से मनाया।

अंजलि बंसल ने बताया कि इस वर्ष 5 मई को अग्रसेन भवन के उद्घाटन के बाद वैश्य समाज की महिला सदस्यों के लिये अपने पारंपरिक त्योहार तीज को हर्षोल्लास से मनाने के लिये तीज महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन अग्रसेन भवन में किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने गेम खेलकर, डांस करकर, व झुला झुलकर तीज महोत्सव को सेलिब्रेट किया।

निधि गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने अनेकों गेम में भाग लिया व विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। उन्होंने बताया कि सभी महिलाएं अच्छे से तैयार होकर मेहंदी लगाकर पहुंची। बच्चों ने भी कार्यक्रम में भरपूर आनंद लिया व सभी ने स्वादिष्ट भोजन का स्वाद भी लिया। कार्यक्रम का संचालन युक्ति व आराध्या ने किया।

कार्यक्रम में श्वेता जिंदल, सोनिका तायल, मंजू अग्रवाल, शीतल गर्ग, शिखा अग्रवाल, कोमल बंसल, श्वेता तायल, पूजा गर्ग, हिमानी अग्रवाल, सोनिका गर्ग, गीता गोयल, तरूणा गर्ग, निशा गुप्ता, दीपा जिंदल व अन्य महिलाएं उपस्थित रही।

बिजली देने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। हिंडन नदी पुस्ता के इर्द-गिर्द बसी कालोनियों में बिजली दिए जाने की मांग व अन्य जन सुविधाओं को लेकर ग्रामीण विकास समिति की बैठक सोरखा कालोनी सेक्टर- 115 नोएडा में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए समिति के संयोजक गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि बिजली दिए जाने की मांग पर ग्रामीण विकास समिति के बैनर तले स्थानीय नागरिकों ने कई बार बड़े आंदोलन किए हैं, जिस पर क्षेत्र के विधायक, सांसद, बिजली मंत्री व बिजली विभाग के अधिकारियों ने अनेकों आश्वासन दिए लेकिन आज तक उपरोक्त समस्या का समाधान नहीं किया गया है उन्होंने प्रदेश सरकार, जिला प्रशासन क्षेत्र के विधायक, सांसद जी को आड़े हाथ लेते हुए कड़े शब्दों में निंदा किया और कहा कि सरकार प्रशासन लोगों की आवाज को सुने और अपने वादेनुसार बिजली दें अन्यथा हमारी समिति इस मुद्दे पर फिर से बड़ा आंदोलन करेगी जिसकी संपूर्ण जवाब देही शासन प्रशासन की होगी।

बैठक की अध्यक्षता समिति के पदाधिकारी लायक हुसैन और संचालन समिति के पदाधिकारी हरगोविंद सिंह ने किया बैठक में जनवादी महिला समिति की नेता चंदा बेगम, गुड़िया देवी, रेखा चौहान, किरण देवी समिति के नेता श्यामानंद झा, गोपी, महेश पांडे, वशिष्ठ पंडित, सतपाल चौहान, संगम लाल, मौ.नवाज, रामदुलारे आदि ने हिस्सा लिया और अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

भाकियू (कृषक शक्ति) की बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर के रोज वुड स्कूल में भारतीय किसान यूनियन कृषक शक्ति की एक बैठक रिजवान प्रदेश अध्यक्ष यूथ के तत्वाधान में हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन ठाकुर ने कहा कि 30 जुलाई को भारतीय किसान यूनियन कृषक शक्ति द्वारा किसानों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध यमुना प्राधिकरण पर धरना प्रदर्शन करना है उसकी तैयारी का जायजा लेने के लिए यह बैठक हुई इसमें सभी किसान युवा भाइयों ने अमन ठाकुर को पूरा आश्वासन दिया और जी जान से 30 जुलाई को यमुना प्राधिकरण पहुंचे ने वादा किया इस अवसर रिजवान मेवाती ने कहा कि किसानों के साथ अत्याचार नहीं बर्दाश्त किया जाएगा

इस सरकार पर शाहिद भाई ने कहा कि यह धरना प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन कृषक शक्ति के द्वारा किया जा रहा और इसमें बढ़ चढ़कर युवा किसान हिस्सेदारी लेंगे

इस अवसर पर रामभरोसे शर्मा ने कहा कि अमन ठाकुर राष्ट्रीय अध्यक्ष का साथ ही हम सबकी कामयाबी है। इस अवसर सतीश शर्मा को युवा इकाई का जिला अध्यक्ष बनाया गया उनके साथ उनकी टीम के साथी गढ़ मौजूद रहे। इस मौके पर अमन ठाकुर राष्ट्रीय अध्यक्ष रिजवान मेवाती प्रदेश अध्यक्ष राम भरोसे शर्मा संरक्षक प्रमोद वरिष्ठ नेता भारतीय किसान यूनियन की शक्ति युवा संरक्षक शरीफ नंबरदार आदि मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के तले लड़ी जाएगी किसानों की लड़ाई : सिंह

नोएडा (चेतना मंच)।

नोएडा मीडिया क्लब में कल एक नए किसान संगठन का गठन किया गया। जिसको लेकर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता के दौरान भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) की घोषणा की गयी।

इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजवीर सिंह जानकारी देते हुए बताया की विगत 16 जून को जनपद मेरठ में आयोजित किसान पंचायत में लिए गए निर्णय के अनुसार देश के किसानों की समस्याओं और उनके हक की लड़ाई लड़ने के लिए किसान साथियों द्वारा भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) का गठन किया गया है। उन्होंने बताया की इस नए संगठन की प्राथमिकता किसानों के एमएसपी, बिजली,गन्ना मूल्य वृद्धि आदि अनेकों समस्याओं को लेकर साथ संघर्ष करेंगे। प्रेसवार्ता के दौरान ही संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई।

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी राजवीर सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष चौधरी जीवन सिंह नागर, राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री पंडित रामकुमार शर्मा, चौधरी विनोद, जटोली चौधरी वीरेंद्र सिंह, अंकित चौधरी, परवीन शर्मा,गोपी कश्यप,मनोज तेवतिया, विजय भारद्वाज, आदि मौजूद रहे।

शाहदरा में महापंचायत कल, तैयारी पूरी

नोएडा(चेतना मंच)। सेक्टर 142 स्थित शाहदरा गांव में कल भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में महापंचायत होगी। महापंचायत की तैयारी पूरी कर ली गई है और संगठन के कार्यकर्ता पश्चिम प्रदेश के कई जिलों का धुआंधार दौरा कर किसानों से महापंचायत में पहुंचने की अपील की है। इसी कड़ी में कल भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने बागपत के ग्राम ललियाना में जनसंपर्क किया और लोगों से महापंचायत में पहुंचने की अपील की। इस अवसर पर दिलदार अंसारी भी मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने बताया कि कल सुबह 10.00 बजे से महापंचायत प्रारंभ हो जाएगी और इस महापंचायत में

दर्जनों भर से अधिक संगठन के बड़े नेता भी हिस्सा लेंगे उन्होंने कहा कि यह महापंचायत नोएडा प्राधिकरण के तानाशाही के खिलाफ हा रही है। खिलाफ आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि यदि जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अफसर किसानों को महापंचायत में आने से रोका तो इसका परिणाम उन्हें ही भुगतना पड़ेगा। उन्होंने किसान एवं संगठन के कार्यकर्ताओं से महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मूखण्ड सं0-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)
वेबसाइट : www.greaternoidaauthority.in, ई-मेल : authority@gnida.in

पत्रांकः स्वा0वि0/2025/1711 दिनांकः 25.07.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

प्रभारी (निविदा सेल), ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा की ओर से ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-स्वा0वि0/2025/1710, दिनांक 25.07.2025 के माध्यम से उल्लेखित क्रम संः 1 से 3 में अंकित कार्य की ई-निविदा आमन्त्रित की जाती हैं। ई-निविदा की समस्त नियम व शर्तें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइटः **www.greaternoidaauthority.in** पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईटें देखते रहें।

क्र.सं.	कार्य का नाम/वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
1.	Supply of Wheat Husk for Gaushala in Village Jalpura for One Year in Greater Noida.	रू0 657.00 लाख
2.	Supply of Wheat Bran for Gaushala in Village Jalpura for One Year in Greater Noida.	रू0 350.40 लाख
3.	Supply of Green Fodder for Gaushala in Village Jalpura for One Year in Greater Noida.	रू0 394.20 लाख

उक्त कार्यों में से क्र. सं.-01, 02 एवं 03 की निविदा दिनांक 29.07.2025 से 11.08.2025 को 17:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 13.08.2025 को 11:00 बजे खोली जाएगी।

वरिष्ठ प्रबंधक (स्वास्थ्य)

Follow us on / OfficialGNIDA

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

नई शिक्षा नीति में स्टार्टअप को प्रोत्साहन : राजेन्द्र अग्रवाल

एमिटी में जुटे 60 संस्थानों के प्रतिभागी

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) और भारत सरकार के इसरो डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस द्वारा ''एमिटी स्पेस मिशन'' के तत्वाधान में ''कृषि क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की अनिवार्यताएँ'' पर छह दिवसीय ''इन -स्पेस लघु अवधि कौशल विकास पाठयक्रम'' का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के प्रमोशन डायरेक्टोरेट के निदेशक डा विनोद कुमार, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा डब्लू सेल्वामूर्ती, एग्रीकल्चर टूडे समूह के संस्थापक डा एम जे खान और एमिटी फूड एंड एग्रीकल्चर फांउडेशन की महानिदेशक डा नूतन कौशिक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पूर्व सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि स्न 2020 में जब नई शिक्षा नीति लागू हुई तो मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा बनाई गई कमेटी में मै भी एक सदस्य था।

देश की शिक्षा प्रणाली को वर्तमान में देश की आवश्यकताओं के लिए तैयार करने और एक नया रास्ता दिखाने के लिए बहुत ही विचार करके इस नई शिक्षा नीति को तैयार किया गया।

नई शिक्षा नीति में कौशल विकास कार्यक्रम और छात्रों को स्टार्टअप प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहन आदि पर जोर दिया गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि गांवों से तेजी से लोगों का पलायन हो रहा था किंतु कौशल विकास एंव वैज्ञानिकों द्वारा नई तकनीको से किसानों की आमदनी बढ़ी है। आज प्रधानमंत्री देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर है ऐसे में नई तकनीको की सहायता से उन्नत खेती पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में स्पेस तकनीक का इस्तेमाल लगभग हर क्षेत्र में हो रहा है किंतु कृषि क्षेत्र इसका उपयोग एक बड़ा परिवर्तन लायेगा। डा शुक्ला ने कहा कि एमिटी स्पेस मिशन से एमिटी देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में सहभागी बन रहा है। आप प्रतिभागी प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में सहायक होगे।

इस अवसर पर देश के विभिन्न संस्थानों जैसे मेरठ के सरदार वल्लभ भाई पटेल विश्वविद्यालय, चेन्नई के एमजीआर विश्वविद्यालय, पुणे के आप्टअलॉट प्राइवेट लिमिटेड, धनश्री कार्प साल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, रैंबो एग्रोटेक, तिरूचरापल्ली के नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईआईटी कानपूर, टाटा एंडवासड सिस्टमस लिमिटेड आदि से लगभग 60 प्रतिभागीयों ने हिस्सा लिया है।

गौतमबुद्धनगर में 4 अधिकारियों का तबादला

मेघा रूपम बनी नोएडा की नई जिलाधिकारी

लखनऊ/ नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में सोमवार का दिन तबादलों के नाम रहा। पूरे दिन कुल 23 आईएएस और 21 पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। इनमें सबसे अधिक चर्चा आईएएस अधिकारियों के तबादलों की हो रही है। कुल 23 आईएएस अधिकारियों के तबादलों में कुल 10 जिलाधिकारियों का नाम भी शामिल हैं। गौतमबुद्धनगर में डीएम सहित कुल चार अधिकारियों का यहां से तबादला हुआ है। वहीं, एक अधिकारी को जिले में तबादला एक्सप्रेस के माध्यम से तैनाती भी मिली है। गौतमबुद्धनगर के डीएम मनीष कुमार वर्मा को प्रयागराज का डीएम बनाया गया है।

गौतमबुद्धनगर की नई डीएम मेधा रूपम होंगी। वह साल 2014 से तीसरी बार जिलाधिकारी बन रही हैं। इससे पूर्व वह हापुड़ की डीएम रह चुकी है। वर्तमान में वह कासगंज जिले की जिलाधिकारी है। बता दें कि मेधा रूपम ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में बतौर अपर मुख्य कार्यपाल के रूप में भी तैनात रह चुकी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में बतौर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी तैनात कपिल भी तबादला एक्सप्रेस में सवार हो गए हैं। वह पीसीएस से पदोन्ति से आईएएस बने हैं। उन्हें कानपुर देहात का जिलाधिकारी बनाया गया है। कपिल सिंह इससे पूर्व उपजिलाधिकारी के तौर पर तैनात रह चुके हैं। उन्हें पहली बार जिलाधिकारी के पद पर तैनाती मिली है।

तबादला एक्सप्रेस के माध्यम से गौतमबुद्धनगर के नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण को एक नया अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मिला है। गोरखपुर के जिलाधिकारी कृष्ण करूणेश को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाकर भेजा गया है।

यीडा से दो उपजिलाधिकारियों के भी हुए तबादले

इतना ही नहीं, गौतम बुद्ध नगर से दो अन्य अधिकारियों भी तबादले हुए हैं। इनमें यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में बतौर उपजिलाधिकारी सहाय और रेणुका दीक्षित का भी तबादला हो गया है। रेशमा सहाय को कन्नौज का उपजिलाधिकारी और रेणुका दीक्षित को इटावा का उपजिलाधिकारी बनाया गया है।

- गोंडा की डीएम नेहा शर्मा हटाई गईं हैं। उनहें प्रभारी महानिरीक्षक निबंधन बनाया गया।
- बहराइच की डीएम मोनिका रानी को बेसिक शिक्षा विभाग का विशेष सचिव बनाया गया।
- अयोध्या के मंडलायुक्त गौरव दयाल को गृह विभाग का सचिव बनाया गया।
- गृह विभाग के सचिव राजेश कुमार को अयोध्या का मंडलायुक्त बनाया गया है। गोरखपुर के डीएम कृष्णा करुणेश भी हटाए गए हैं
- कानपुर देहात के डीएम आलोक सिंह को भी हटाया गया, आलोक सिंह को राज्य संपत्ति विभाग में विशेष सचिव बनाया गया।
- झांसी के मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे को वर्तमान पद के साथ बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालक अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।
- गाजियाबाद के डीएम दीपक मीणा को गोरखपुर का डीएम बनाया गया।
- प्रयागराज के डीएम रविंद्र कुमार मंदर को गाजियाबाद का डीएम बनाया गया।
- अपर आयुक्त प्रशासन गन्ना एवं प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश चीनी मिल निगम लिमिटेड प्रणय सिंह को कासगंज का डीएम बनाया गया।
- ललितपुर के डीएम अक्षय त्रिपाठी को बहराइच का डीएम बनाया गया।
- विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया गया है।
- अमनदीप डुली को ललितपुर का डीएम बनाया गया।
- विशेष सचिव राज्य संपत्ति पवन कुमार गंगवार मिर्जापुर के डीएम बने।
- मिर्जापुर की डीएम प्रियंका निरंजन को गोंडा का डीएम बनाया गया।
- मिनिस्ती एस. वित्त विभाग की सचिव को गन्ना आयुक्त बनाया गया।
- गन्ना आयुक्त प्रमोद कुमार उपाध्याय को समाज कल्याण विभाग का सचिव बनाया गया।

तीसरी बार प्रदेश में बनेगी भाजपा की सरकार : भगवत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भगवत शर्मा ने दावा किया है कि 2027 में होने वाले आम विधानसभा के चुनाव में एक बार फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे उन्होंने आज नाग पंचमी के अवसर पर सभी जनपद वासियों को बधाई देते हुए कहा कि नाग पंचमी का पर्व सनातन धर्म में ऐतिहासिक है आज के दिन नाग देवता की पूजा करने से घर में खुशी एवं प्रसन्नता आती है। उन्होंने क्षेत्रीय सांसद डा. महेश शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य हैं। उन्होंने विधायकतेजपाल सिंह नागर की प्रशंसा करते हुए कहा कि दादरी विधानसभा का चहुंमुखी विकास तेजी के साथ हो रहा है। उन्होंने एक बार फिर से कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं से आम जनता को लाभ मिल रहा है।

11 किलो गांजा समेत तस्कर गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 11 किलो गांजा बरामद हुआ है। पकड़ा गया आरोपी पूर्व में ई-रिक्शा चलाता था खर्चे पूरे ना होने के कारण वह गांजा तस्करी के धंधे में उतर गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-37 बस स्टैंड के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान मुकेश ने सूचना दी कि दादरी रोड पर शशि चौक जाने वाले कट के पास एक गांजा तस्कर खड़ा हुआ है। मुखबिर के इशारे पर टीम ने गांजा तस्कर को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से 11 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए गांजा तस्कर ने अपना नाम मोहित मंडल पुत्र अर्जुन मंडल निवासी जनपद कटिहार बिहार बताया। पकड़ा गया मोहित मंडल हाल में सेक्टर-10 की झुग्गी झोपड़ी जेजे कॉलोनी में रह रहा है।

मोहित मंडल ने पुलिस को बताया कि वह पूर्व में ई-रिक्शा चलाता था, लेकिन उससे उसका गुजारा नहीं होता था। अपने शौक व खर्चे पूरे करने के लिए वह गांजा तस्करी के धंधे में उतर गया। उसने बताया कि वह बंगाल से गांजा लाकर छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर लोगों को बेचता है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

एनसीआर में रिमझिम बारिश ने दी राहत

जगह-जगह जल भराव व जाम से लोग रहे परेशान

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से झमाझम बारिश ने लोगों के आवागमन पर ब्रेक लगा दिया है। राजधानी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा समेत कई इलाकों में तेज बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया है। अंडरपास और गलियों में इतना पानी जमा हो गया है कि कई वाहन बंद हो गए और लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे। बारिश के बाद दिल्ली की सड़कों का हाल बद से बदतर हो गया है। बुराड़ी, पटेल नगर, धौला कुआं, आईटीओ, नरैना, विजय चौक और जंगपुरा जैसे इलाकों में पानी इतना भर गया है कि सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। जलभराव की वजह से गड्ढे तक नजर नहीं आ रहे हैं जिससे हादसे का खतरा भी कई गुना बढ़ गया है। बारिश के चलते सबसे ज्यादा दिक्कत उन लोगों को हुई जो सुबह ऑफिस के लिए निकले थे। जलभराव और फिसलन के कारण वाहन रेंग-रेंग कर चल रहे हैं। दिल्ली-नोएडा लिंक रोड, रोहिणी, द्वारका और एनएच-9 जैसे प्रमुख मार्गों पर लंबा ट्रैफिक जाम देखने को मिला। कई स्कूल बसें भी रास्ते में फंसी रहीं।

मौसम विभाग का रेड अलर्ट जारी

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक सोमवार दोपहर तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। साथ ही अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर बना रह सकता है। जहां एक ओर बारिश ने गर्मी और प्रदूषण से थोड़ी राहत दी है वहीं दूसरी ओर दिल्ली की जल निकासी व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। हर साल मानसून के साथ आने वाला जलभराव इस बार भी प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल गया है।

आज शाम डीएम का विदाई समारोह करेगी फोनरवा

नोएडा (चेतना मंच)। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) आज शाम जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित करेगी। यह जानकारी फोनरवा के महासचिव के.के. जैन ने दी।

श्री जैन ने बताया कि आज शाम 5 बजे फोनरवा कार्यालय में विदाई समारोह होगा। इस मौके पर फोनरवा के अध्यक्ष समेत सभी पदाधिकारी तथा आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी तथा गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

घर में मिला जिलाबदर बदमाश, गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा पुलिस ने एक जिला बदर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश जिला बदर होने के बावजूद भी अपने घर में निवास कर रहा था।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम आनंदपुर के रहने वाले अमन उर्फ गौरव पुत्र मनवीर को पुलिस ने पूर्व में जिला बदर किया था। अमन आनंदपुर गांव स्थित अपनी दुकान पर मौजूद है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने अमन उर्फ गौरव को दबोच लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि विशेष न्यायालय पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा अमन उर्फ गौरव को 6 माह के लिए जिला बदर किया गया था। पुलिस द्वारा 15 अप्रैल को अमन उर्फ गौरव को बुलंदशहर की सीमा में छोड़ा गया था। जिला बदर होने के बावजूद भी अमन अपने गांव में आ जा रहा था। आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ 1 अगस्त को होगा आंदोलन : भारतीय

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की सदर तहसील में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार एवं किसानों के प्रति अधिकारीयों कर्मचारियों की उदासीनता लापरवाही के विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन 1 अगस्त को प्रदर्शन करेगा। इसके संदर्भ में आज संगठन की कोर कमेटी के प्रमुख सदस्य मास्टर दिनेश नागर के नेतृत्व में जिलाधिकारी महोदय को संबोधित पत्र एडीएम भैरपाल सिंह को सौंपा।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि गौतम बुध नगर की सदर तहसील में अधिकारी एवं कर्मचारी का लापरवाह रवैया दिन प्रतिदिन बढ़ता हुआ जा रहा है। क्षेत्र के किसान अपनी समस्याओं के समाधान हेतु इधर से उधर भटकते रहते हैं।

चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि पिछले कई महीने दाखिल खारिज को लेकर लेखपाल एवं अन्य अधिकारी किसानों को परेशान करते हैं। दाखिल खारिज करने के एवज में रिश्वत मांगते हैं। अगर किसान पैसा ना दे तो उसका काम नहीं किया जाता। चौधरी प्रवीण भारतीय ने कहा कि लोग तमाम समस्याओं के समाधान हेतु सदर तहसील के कर्मचारी एवं अधिकारियों के लापरवाह रवैया से पीड़ित है। इसके विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन 1 अगस्त को हल्ला बोल प्रदर्शन सदर तहसील के प्रांगण में करेगा।

पृष्ठ एक के शेष....

'ऑपरेशन महादेव' में मारे...

आतंकी ठिकाने पूरी तरह ध्वस्त कर दिए गए. इससे संयमित हमला नहीं हो सकता. हमने नौ आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए, लेकिन एक भी सिविलियन नहीं मरा। केवल आतंकी मारे गए. उन्होंने एक-एक कैंप के नाम भी सदन में लिए और कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक में हमने पीओके पर ही हमला किया। एक तरह से भारत की भूमि पर ही हमला किया. इस बार सौ किलोमीटर अंदर घुसकर हमला किया।

अमित शाह ने कहा कि 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए. मैं उसी दिन श्रीनगर के लिए निकल गया. पीएम मोदी ने 23 और 24 अप्रैल को सीसीएस की मीटिंग की. इसमें सिंधु जल संधि को स्थगित करने का काम किया, जो कांग्रेस का ब्लंडर था. उन्होंने सीसीएस में लिए गए फैसले गिनाए और कहा कि सीसीएस ने यह संकल्प लिया कि आतंकी जहां भी छिपे हैं, उनको और उन्हें ट्रेनिंग देने वालों को उचित जवाब दिया जाएगा. गोगोई जी मोदीजी के बिहार जाने की बात कह रहे थे, मोदी जी जिस दिन बिहार गए, उस दिन पहलगाम में कुछ नहीं था, सिर्फ राहुल गांधी थे. चुनावी भाषण करने की बात पर मुझे आपत्ति है. देश के प्रधानमंत्री का कर्तव्य होता है कि जनता पर जघन्य हमला होता है, तो उसे जवाब देना. अमित शाह ने पीएम मोदी के बिहार में दिए गए भाषण के कुछ अंश पढ़कर भी सुनाए।

गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि आतंकियों की पुष्टि हो गई है. आतंकियों की मदद करने वाले दो आरोपियों ने भी उनकी पहचान कर ली है. उन्होंने कहा कि मंगलवार को सुबह 4 बजे आतंकियों की पुष्टि हुई है. इन आतंकियों को पनाह देने वाले दो मददगार को भी पकड़ लिया गया है. गृह मंत्री ने बताया कि इन्हीं आतंकियों ने पहलगाम में हमले को अंजाम दिया था.

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और सेना ने ऑपरेशन को अंजाम दिया. आतंकियों के पास से तीन राइफलें बरामद की गईं. आतंकी सुलेमान, जिबरान और अफजाल को ढेर किया गया. आतंकियों के पास से वो राइफलें भी बरामद की गईं जिससे पहलगाम में हमला किया गया था. उन्होंने बताया कि आतंकियों के पास से एम9 अमेरिकन राइफल्स और दो एके-47 बरामद किया गया है. उन्होंने बताया कि आतंकियों के पास से जो कारतूस बरामद किए गए, उनकी पुष्टि वैज्ञानिकों से कराई गई.

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 22 मई को आईबी के पास ह्युमन इंटेल आई. दाछीगाम क्षेत्र के अंदर आतंकियों की मौजूदगी की जानकारी मिली. इस जानकारी को पुख्ता करने के लिए मई से 22 जुलाई तक लगातार कोशिशें की गईं. ऊंचाई पर सिग्नल हासिल करने के लिए सेना के जवान घूमते रहे. 22 जुलाई को सेंसर के माध्यम से आतंकियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई. पुलिस, सेना के जवानों ने आतंकियों को घेरने का काम किया।

प्राधिकरण पर धरना...

निरस्तीकरण के विरोध में झुग्गीवासी लामबंद हैं। रविवार को झुग्गीवासियों ने बैठक करके 12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण का घेराव कर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। उधर संयुक्त मोर्चा के दो प्रतिनिधि लखनऊ में मुख्यमंत्री से शिकायत करने कल पहुंचे थे। लेकिन मुख्यमंत्री नहीं मिले तो उन्होंने औद्योगिक विभाग के राज्यमंत्री से मुलाकात की। बाद में प्रमुख सचिव को उन्होंने ज्ञापन दिया। जिस पर प्रमुख सचिव ने आश्वासन दिया कि वे सीईओ से जाकर मिले। उन्होंने कहा कि निरस्तीकरण के नोटिस नहीं भेजे जाएंगे तथा उनकी अन्य मांगों पर भी कार्यवाही की जाएगी। खबर लिखे जाने तक उदय सिंह के घर के बाहर पुलिस की तैनाती थी।

दहेज उत्पीड़न में ...

कुछ समय मायके में रहने के बाद वह वापस ससुराल आ गई।

पीड़िता का कहना है कि 4 दिसंबर 2024 की रात्रि को उसके पति व ससुराल वालों ने मारपीट करते हुए गला दबाकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया। शोर-शराबा सुनकर पड़ोसियों ने आकर बीच बचाव किया। 5 दिसंबर की सुबह ससुराल वालों ने उसे बांधकर अपनी गाड़ी में डाल लिया और उसके मुंह पर कपड़ा बांध दिया। इसके बाद वह उसे उसके मायके ले आए और यहां पर भी उसकी पिटाई की। मायके में लोगों के इकट्ठा होने पर उसका पति राकेश व ससुराल वाले उसके तीन वर्षीय बेटे को अपने साथ लेकर फरार हो गए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर राकेश, अरुण कुमार, पूनम, अजय, मीनाक्षी, विद्या प्रसाद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

निर्माणाधीन दीवार...

एक्सटेंशन कालकाजी दिल्ली के रहने वाले अंकुर गौर ने अपनी पत्नी सहित इन महिलाओं को एक षड्यंत्र के तहत उसके प्लॉट पर भेजकर तोड़फोड़ कराई है। पुलिस का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

खास खबर

स्टोक्स और क्लेयर की डेटिंग के बाद हुई थी शादी

मैनचेस्टर । इंग्लैड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स शानदार बल्लेबाज और गेंदबाजी के अलावा अपनी लव मैरिज के लिए भी चर्चित रहे हैं। स्टोक्स ने एक स्कूल टीचर क्लेयर रैटक्लिफ से शादी की है। क्लेयर शादी से पहले से ही से ही स्टोक्स की प्रशंसक थी। स्टोक्स और क्लेयर की पहली मुलाकात साल 2010 में हुई थी। तब स्टोक्स क्रिकेटर के रुप में अपना करियर बनाने का प्रयास कर रहे थे। क्लेयर ने शुरूआत से ही उनका समर्थन किया। लंबी डेटिंग के बाद साल 2013 में स्टोक्स ने क्लेयर को शादी का प्रस्ताव दिया। दोनों ने अक्टूबर 2017 में शादी की। उनकी शादी में जो रूट, जॉस बटलर और ऑयन मॉर्गन भी शामिल हुए थे। इस शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरन हुई थीं। स्टोक्स और क्लेयर के दो बच्चे भी हैं। क्लेयर भी सोशल मीडिया पर सक्रिय रही हैं और अपने परिवार की तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

स्टोक्स ने की थी मैच समाप्त करने की पेशकश

मैनचेस्टर । यहां भारत के खिलाफ हुए चौथे टेस्ट मैच में ड्रॉ के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान इंग्लैंड के सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया। इस टेस्ट में एक समय मेजबान टीम की जीत तय मानी जा रही थी पर कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ियों के शतकों से भारतीय टीम इस मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही। इस मैच में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच 303 गेंदों में 203 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। मैच में एक समय ऐसा भी आया जब हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। चौथे दिन भारतीय टीम के शुरूआत में ही दो विकेट गिरने के बाद लग रहा था कि हार तय है पर जडेजा और सुंदर की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फैर दिया। ऐसे में जब मैच का परिणाम निकलना असंभव नजर आ रहा था। तो थकान से परेशान मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच सामप्त करने के पेशकश की पर भारतीय पक्ष ने ठुकरा दिया।

इंडिया चैम्पियंस वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से बाहर

लंदन । यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूनार्मेंट में इयान मॉर्गन की कप्तानी वाली इंग्लैंड चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया। इस हार के साथ ही इंडिया चैम्पियंस टीम मुकाबले से बाहर हो गयी है। वहीं मेजबान इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है और सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है। इस मैच में मेजबान इंग्लैंड चैम्पियंस ने रवि बोपारा के शतक 110 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाये। इसके अलावा इंग्लैंड चैम्पियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज इयान बेल 39 गेंद में 54 रन बनाये। मोईन अली ने 13 गेंद में 33 रनों की पारी खेली जबकि समित पटेल ने 20 रन बनाए। वहीं पीयूष चावला और हरभजन सिंह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाजों ने 8 या इससे अधिक रन दिये। हरभजन के 3 ओवर के 18 रन गये और उन्होंने 2 विकेट लिए। चावला ने 4 ओवर में केवल 25 रन दिए।

इंग्लैंड ने स्पेन को हराकर जीता खिताब

एजेंसी

बासेल। इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम ने यूएफा विमेंस यूरो 2025 के फाइनल में रविवार को स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह लगातार दूसरी बार है जब इंग्लैंड ने यूरो कप जीता है। नियमित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मैच के 25वें मिनट में स्पेन ने ओना बाट्ले के क्रॉस पर मरियोना कालदेंते के हेडर की मदद से बढ़त बना ली। इंग्लैंड की रक्षापंक्ति इस दौरान पूरी तरह चूक गई और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन गेंद को रोक नहीं सकीं। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने वापसी की और 57वें

मिनट में क्लो केली के शानदार क्रॉस पर एलेसिया रूसो ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। स्पेन ने पूरे मैच में बॉल पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार दबाव बनाती रही, लेकिन इंग्लैंड की मजबूत डिफेंस के आगे वह अतिरिक्त समय तक कोई और गोल नहीं कर सकी।

पेनल्टी शूटआउट में शुरूआत में इंग्लैंड को झटका लगा जब कैटा कोल ने बेथ मीड की किक रोक दी। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने कमाल दिखाया और मरियोना कालदेंते व आइताना बोनमती की किक रोक दी। लीया विलियमसन की किक को भी कोल ने रोककर स्पेन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन सलमा परायुएल्लो ने निर्णायक समय पर किक चूककर गेंद गोल के बाहर मार दी। इसके बाद 2022 के फाइनल की हीरो क्लो केली ने एक बार फिर इतिहास दोहराया। अपने ट्रेडमार्क प्रॉसिंग रन-अप के साथ उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट में ठोक दिया और जश्न में झूमते हुए साथी खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड फैंस की ओर दौड़ गईं। मैच के बाद क्लो केली ने कहा, ह्यहमें इस टीम पर बेहद गर्व महसूस करती हूं, इस बैज को पहनने के लिए आभारी हूं और इंग्लिश होने पर गर्व है। मुझे पूरा यकीन था कि मेरी किक नेट में जाएगी।

यह पहला मौका था जब 1984 के पहले संस्करण के बाद यूएफा विमेंस यूरो का फाइनल पेनल्टी शूटआउट में तय हुआ। उस समय इंग्लैंड को स्वीडन के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार इंग्लिश शेरनियों ने इतिहास रच दिया।

पहले की अपेक्षा आज के दौर में बल्लेबाजी आसान हुई : पीटरसन

एजेंसी

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का कहना है कि आज के दौर में बड़े स्कोर बनाना पहले से काफी आसान हो गया है। इसलिए भी खिलाड़ी आसानी से नये रिकार्ड बना रहे हैं। पीटरसन के अनुसार ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आज टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली टीमों के पास पहले जैसे घातक गेंदबाज नहीं हैं। इससे मुकाबले बल्लेबाजों की ओर झुक गये हैं। पीटरसन के इस बयान से एक नई बहस शुरू हो सकती है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद पीटरसन का ये बयान आया है। अब तक दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग थे। इसी को लेकर पीटरसन

ने सोशल मीडिया में कहा, ह्यमेरी बात पर नाराज न हों पर ये सही है कि आजकल बल्लेबाजी करना 20 से 25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। पहले के दौर में खौफनाक गेंदबाजों के कारण बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना कठिन था। पीटरसन ने 2005 से 2013 के बीच इंग्लैंड के लिए 104 टेस्ट, 136 एकदिवसीय और 37 टी-20 मैच खेले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 23 शतक और 35 अर्द्धशतकों के साथ 47.28 की औसत से 8,181 रन बनाए।

तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में फिर तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। पोलैंड के वीस्लाव चापिएव्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में भारत के तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। तेजस्विन ने रविवार को 7826 अंकों के साथ प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया और अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में 7666 अंकों के साथ रजत पदक जीता था, जो कि भारत का राष्ट्रीय रिकॉर्ड था। दो दिवसीय विश्व एथलेटिक्स कंबाइंड इवेंट्स टूर गोल्ड मीट के पहले दिन तेजस्विन ने शानदार शुरूआत की और 4292 अंकों के साथ तालिका में

शीर्ष पर रहे। उन्होंने 100 मीटर दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 11.02 सेकंड का समय निकाला। दूसरे दिन भी उन्होंने 110 मीटर हर्डल्स में 14.63 सेकंड के समय के साथ बढ़त बनाए रखी। हालांकि, डिस्कस थ्रो में 38.28 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के बावजूद वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। पोल वॉल्ट में 4.10 मीटर की छलांग के बाद वह छठे स्थान पर पहुंच गए, जो कि इस स्पर्धा में उनका पर्सनल बेस्ट भी है। लेकिन उन्होंने जेवलिन थ्रो (52.89 मीटर) और अंतिम स्पर्धा 1500 मीटर दौड़ में 4:31.80 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए जोरदार वापसी की और चौथे स्थान पर फिनिश किया। इस स्पर्धा में चेक गणराज्य के ओनद्रेज कोपेक्की (8254 अंक), विले स्ट्रास्की (8136 अंक) और एस्टोनिया के रिस्टो लिल्लेमेट्स (8107 अंक) क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि 26 वर्षीय तेजस्विन ने फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन उनका स्कोर अब भी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (टोक्यो) की योग्यता सीमा 8550 अंकों से पीछे है।

इंजरी रिप्लेसमेंट के पक्ष में गंभीर

एजेंसी

मैनचेस्टर । भारत और इंग्लैंड के बीच यहां हुए चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के अब एक बार फिर इंजरी रिप्लेसमेंट को लेकर काफी चर्चाऐं होने लगी हैं। ऋषभ मैनचेस्टर टेस्ट के पहले ही दिन चोटिल हो गए थे। उनके अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण उनकी जगह पर ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गयी पर जुरेल को बल्लेबाजी की अनुमति नहीं थी। ऐसे में ऋषभ को पेन किलर लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा था। इसी कारण भारतीय टीम के मुख्य गौतम गंभीर इंजरी रिप्लेसमेंट

नियम शुरू किये जाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने चौथे टेस्ट के बाद कहा, अगर अंपायर और मैच रेफरी देखते हैं और महसूस करते हैं कि यह एक गंभीर चोट है, तो मुझे लगता है कि इंजरी रिप्लेसमेंट सुविधा दी जानी चाहिये। जिससे आप एक सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी को चोटिल खिलाड़ी की जगह पर उतार सकें। विशेषकर इस तरह की सीरीज में जहां पिछले तीन टेस्ट मैचों में काफी कड़ा मुकाबला खेला जा रहा था। हमें 11 के मुकाबले 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जो हमारें लिए नुकसानदेह रहा। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इस नियम के पूरी तरह खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि इसका गलत फायदा उठाया जा सकता है। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा- मुझे लगता है कि चोट के कारण रिप्लेसमेंट को लेकर इतनी चर्चा होना बेकार है। इसमें बहुत सी खामियां होंगी, जिसका लाभ उठाया जा सकता है।

एशिया कप से हटना बीसीसीआई के लिए संभव नहीं दिखता

एजेंसी

नई दिल्ली । एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का विरोध बढ़ता जा रहा है पर इस मैच से हटना भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए संभव नजर नहीं आता। बीसीसीआई एशिया कप का मेजबान भी है हालांकि इसके मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक में एशिया कप का कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया है। इसमें भारत-पाक मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा क्योंकि उन्हें मेजबान यूएई और ओमान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। बीसीसीआई अभी टूनार्मेंट या मैच से हट नहीं सकता क्योंकि उसकी सहमत के बाद ही एसीसी बैठक हुई थी। इसके अलावा भारत के मेजबान देश होने के कारण भी बीसीसीआई के लिए कोई बदलाव

करना आसान नहीं रहेगा। हाल ही में युवराज सिंह की कप्तानी वाली इंडिया चैंपियन टीम के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दूसरे सत्र में पाकिस्तान चैंपियन के खिलाफ खेलने से इनकार करने के बाद भी बीसीसीआई पर एशिया कप में इस मैच को रद्द करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। एशिया कप के कार्यक्रम की घोषणा के बाद बीसीसीआई ने हालांकि अभी तक इस महाद्वीपीय टूनार्मेंट में पाकिस्तान के बहिष्कार पर कोई बात नहीं कही है पर उसपर प्रशंसकों का दबाव बढ़ता जा रहा है।

जेमी ओवरटन इंग्लिश टीम में शामिल

लंदन। ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को भारत के खिलाफ गुरुवार से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय इंग्लैंड टीम में वापस बुलाया गया है। उन्होंने 2022 में अपने करियर का एकमात्र टेस्ट मैच खेला था। 31 वर्षीय सरे ऑलराउंडर ने इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले संस्करण में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए तीन मैच खेले। उन्होंने 2022 में लीड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट लिए थे और 97 रन बनाए थे। ओवरटन को छोड़कर पिछले मैच में चुने गए 14 खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है। बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ऋषभ पंत ओवल टेस्ट से बाहर, जगदीशन को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। जैसा कि आशंका जताई जा रही थी, विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान उन्हें दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके चलते वह अब ओवल टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार देर रात आधिकारिक रूप से पंत के बाहर होने और तमिलनाडु के विकेटकीपर-बल्लेबाज एन जगदीशन को पंत के स्थान पर टीम में शामिल करने की घोषणा की। पंत को यह चोट मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन उस समय लगी जब वह क्रिस वोक्स की गेंद पर स्कूप खेलने की कोशिश कर रहे थे और गेंद सीधे उनके जूते पर लगी। इसके बाद उन्हें मैदान से

बाहर ले जाया गया और उसी शाम उनके पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार पंत कम से कम छह हफ्तों के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। हालांकि चोट गंभीर थी, लेकिन पंत ने सभी को चौंकाते हुए अगले दिन बल्लेबाजी फिर से शुरू की और अर्धशतक पूरा किया। हालांकि वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे क्योंकि केएल राहुल और मध्यक्रम ने संघर्ष करते हुए भारत को ड्रॉ तक पहुंचाया।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद पंत की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने कहा,ह्यएक बात जो मैं जरूर कहना चाहूंगा, वह यह है कि इस टीम की असली बुनियाद और उसका चरित्र ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों के बलिदान से तैयार होगा। टूटी हुई टांग के साथ बल्लेबाजी करना कोई आम बात नहीं है। उन्होंने देश के लिए जो किया, वो आने वाली पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। गंभीर ने आगे कहा, ह्यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह जिस फॉर्म में थे, उस दौरान चोटिल हो गए। लेकिन वह टेस्ट टीम का एक अहम हिस्सा हैं और हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही ठीक होकर वापस लौटेंगे। गौरतलब है कि चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को पहले ही कई चोटों का सामना करना पड़ा था। आकाश दीप (ग्रॉइन), अर्शदीप सिंह (उंगली) और नितीश रेड्डी (घुटने) घायल हो गए थे। जहां नितीश पूरे सीरीज से बाहर हो चुके हैं, वहीं आकाश दीप और अर्शदीप की वापसी ओवल टेस्ट के लिए हो चुकी है।

बीसीआई प्लेटिनम बैडमिंटन टूर्नामेंट सीजन 2 का आयोजन

एजेंसी

रांची। बीसीआई प्लेटिनम बैडमिंटन टूनार्मेंट सीजन 2 का सफल आयोजन किया गया। इस टूनार्मेंट में बीसीआई के सदस्यों एवं उनके परिवार ने हिस्सा लिया। टूनार्मेंट में पुरुष एकल का खिताब डॉ संजीत कुमार को मिला एवं द्वितीय विजेता आनंद कुमार गुप्ता रहे ' पुरुष युगल में रोहन शाह एवं जयेश ग्रोवर की जोड़ी विजेता रही। द्वितीय स्थान पर राजीव कुमार शर्मा एवं अमित ग्रोवर की जोड़ी रही। महिला एकल का खिताब रिचा आनंद गुप्ता एवं द्वितीय स्थान जुली कुमारी को मिला। मिश्रित युगल का खिताब आनंद प्रकाश गुप्ता एवं रिचा

आनंद गुप्ता की जोड़ी को एवं द्वितीय स्थान अमर बजोरिया एवं वृद्धि कुमारी की जोड़ी को मिला। अध्यक्ष डॉ सुजीत कुमार ने सभी प्रायोजकों एवं सदस्यों का धन्यवाद किया एवं यह बताया कि यह कार्यक्रम उनके सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता था। उन्होंने इस आयोजन के लिए विशेष धन्यवाद उपाध्यक्ष सोनाली चौधरी एवं गिरीश चौधरी को दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ संजीत उपाध्यक्ष, सोनाली चौधरी, सचिव राजेश अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष सुबोध वर्मा के अलावा बीसीआई के संयोजक किशोर मंत्री, प्रबंध निदेशक धीरज ग्रोवर, निर्देशक अजय कुमार, निर्देशक रमेश कुमार, निर्देशक शिवकुमार सिंह समेत सभी सदस्य उपस्थित थे।

सुदर्शन तीसरे नंबर के लिए बेहतर बल्लेबाज : पोंटिंग

एजेंसी

मैनचेस्टर । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीसरे नंबर पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए प्रबंधन उन्हें इसके लिए अवसर दे। मैनचेस्टर में भारत की दूसरी पारी की खराब शुरूआत के बाद एक तीसरे नंबर पर किये उतारा जाये ये सवाल एक बार फिर उठा है। सुदर्शन इस मैच में पहली पारी में तो रन बनाने में सफल रहे थे पर दूसरी पारी में असफल रहे। भारत ने तीसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा को हटाये जाने के बाद से ही के शुभमन गिल से लेकर एल राहुल, करुण नायर

को भी आजमाया पर कोई भी सफल नहीं रहा। पोंटिंग ने कहा कि तीसरे नंबर पर इतने सारे विकल्पों को खिलाने से किसी भी खिलाड़ी पर दबाव पैदा होता है। एक ऐसा दबाव जिसकी सुदर्शन जैसे एक युवा खिलाड़ी को जरूरत नहीं है। पोंटिंग ने कहा, आपको हर समय इस चिंता में डूबे रहने की जरूरत नहीं है कि आपको दूसरा मौका मिलेगा या नहीं। उन्होंने सुदर्शन को पहले टेस्ट के लिए शामिल किया फिर बाहर किया और मैनचेस्टर में फिर उसके पास ही आ गये। एक युवा खिलाड़ी के लिए, और आप जानते हैं, जब मैं तीसरे नंबर पर आया था तब मैं इतना युवा नहीं था, लेकिन आप बस अपने कप्तान और अपने कोचों से थोड़ा सा आश्वासन चाहते थे कि ठीक है, अब हम तुम्हें चुन रहे हैं, हम तुम्हें अच्छा अवसर देंगे और देखेंगे कि तुम कैसा प्रदर्शन करते हो। क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुदर्शन काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर उन्हें उन पर अपना विश्वास दिखाना होगा।

एफ1 बेल्जियम ग्रां प्री : पियास्त्री ने रेस में दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

स्पा-फ्रैंकोरशॉ (बेल्जियम)। ऑस्ट्रेलिया के ऑस्कर पियास्त्री ने रविवार को बारिश के कारण देर से शुरू हुई एफ1 बेल्जियम ग्रां प्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने मैकलारेन टीममेट और खिताबी प्रतिद्वंदी लैंडो नॉरिस को शुरूआती दौर में ही ओवरटेक कर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ पियास्त्री ने चैंपियनशिप में अपनी बढ़त को 16 अंकों तक पहुंचा दिया है। फेरारी के चार्ल्स लेक्लर तीसरे स्थान पर रहे, जबकि मौजूदा चैंपियन मैकलारेन टीम ने 13 में से छठी बार एक-दो की समाप्ति हासिल की यह लगातार तीसरी बार है जब टीम को डबल पॉडियम मिला है। बारिश के कारण स्पा-फ्रैंकोरशॉ सर्किट पर रेस की शुरूआत में ही रेड फ्लैग दिखाई गई और एक घंटे 20

मिनट की देरी के बाद रेस को शुरू किया गया। भारी बारिश और ट्रैक पर खड़े पानी के कारण विजिबिलिटी बेहद खराब थी। रेस की शुरूआत से पहले चार लैप्स तक सेफ्टी कार के पीछे चलने के बाद रेस को रोलिंग स्टार्ट के जरिए शुरू किया गया। पियास्त्री ने पहले ही लैप में तेजी दिखाते हुए यू रूज सेक्शन में नॉरिस को ओवरटेक कर बढ़त ले ली। पियास्त्री ने कहा, मुझे पता था कि जीतने का सबसे अच्छा मौका पहले ही लैप में मिलेगा। टर्न वन से अच्छा एक्ज़िट मिला और Eau Rouge में जितना कम संभव हो सका, उतना ही लिफ्ट किया। बाकी रेस हमने अच्छे से कंट्रोल की, हालांकि अंत में थोड़ा संघर्ष किया। शायद मीडियम टायर्स आखिरी 5-6 लैप्स के लिए सही विकल्प नहीं थे, लेकिन हम स्थिति को संभालने में सफल रहे। नॉरिस को रेस के दौरान बैटरी की समस्या का सामना करना पड़ा था और उन्होंने रेडियो पर पूछा कि पावर क्यों नहीं आ रही, लेकिन बाद में उनकी कार में पावर वापस आ गई। नॉरिस ने हार स्वीकारते हुए कहा, ऑस्कर ने बेहतर काम किया। पियास्त्री ने 12वें लैप में इंटरमीडिएट टायर्स से मीडियम टायर्स में बदलाव किया जबकि नॉरिस ने एक लैप बाद हार्ड टायर्स का चुनाव किया। दोनों ने फिर एक ही स्टॉप पर पूरी रेस पूरी की। पियास्त्री ने 3.415 सेकंड के अंतर से रेस जीती, जबकि नॉरिस तीसरी जीत की तलाश में थे लेकिन अंत में दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। शनिवार के स्प्रिंट विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन मैक्स वस्टार्पेन रेड बुल के लिए चौथे स्थान पर रहे। यह रेस रेड बुल के लिए क्रिश्चियन हॉर्नर के टीम प्रिंसिपल पद से हटाए जाने के बाद पहली ग्रां प्री थी। मसीर्डीज के जॉर्ज रसेल पांचवें, जबकि विलियम्स के एलेक्स एल्बोन ने फेरारी के लुईस हैमिल्टन को पीछे छोड़ते हुए छठा स्थान हासिल किया। रेसिंग बुल्स के लियाम लॉसन आठवें, सौबर के गैब्रियल बोतोलेंटो नौवें और अल्पाइन के पियरे गैस्ली दसवें स्थान पर रहे।

वाशिंगटन में अन्ना केलनसकाया सिटी डीसी ओपन टेनिस में बैकहैंड शॉट लगाती हुई।

सावन का तीसरा मंगला गौरी व्रत आज

सुहागिनें ऐसे पाएं अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद

श्रावण मास का प्रत्येक मंगलवार देवी गौरी को समर्पित होता है। इसे मंगला गौरी व्रत के रूप में मनाया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से नवविवाहित स्त्रियों के लिए बहुत ही पुण्यदायक माना गया है। देवी गौरी की आराधना से वैवाहिक जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

सावन माह शिव भक्तों के लिए जितना पावन है, उतना ही मां गौरी की आराधना के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस साल सावन माह का तीसरा मंगला गौरी व्रत 29 जुलाई 2025, मंगलवार को रखा जाएगा। यह दिन विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, सुखी वैवाहिक जीवन और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए समर्पित है। कुंवारी कन्याएं भी अच्छे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रख सकती हैं। आइए जानते हैं इस पावन व्रत की पूजा विधि, महत्व और वे खास बातें जो इसे और भी फलदायी बनाती हैं।

मंगला गौरी व्रत की पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें। इसके बाद हाथ में जल, फूल और अक्षत लेकर व्रत का संकल्प लें। संकल्प में कहें कि आप यह व्रत अपने पति की लंबी आयु, सुख-शांति और अखंड सौभाग्य के लिए कर रही हैं। एक लकड़ी की चौकी पर लाल वस्त्र बिछाएं और उस पर मां मंगला गौरी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। चौकी के पास एक कलश में जल भरकर रखें। कलश के मुख पर आम के पत्ते लगाकर उस पर नारियल रखें। मां मंगला गौरी का ध्यान करते हुए उनका आह्वान करें।

मां की प्रतिमा को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल का मिश्रण) से स्नान कराएं। मां को लाल वस्त्र अर्पित करें। इसके बाद सोलह श्रृंगार का सामान मां को अर्पित करें। यह श्रृंगार सुहाग की निशानी होता है। मां को लाल फूल, फल, पंचमेवा और मिठाई अर्पित करें। सात प्रकार के अनाज भी अर्पित करें। धूप और घी का दीपक जलाएं। मंगला गौरी के मंत्रों का जाप करें। भगवान शिव के मंत्र भी पति की दीर्घायु के लिए जप सकते हैं।

मंगला गौरी व्रत कथा का पाठ अवश्य करें। कथा सुनने से व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है। पूजा के आखिर में मां मंगला गौरी की आरती करें। पूजा के समापन के बाद प्रसाद सभी में वितरित करें। दिनभर निराहार रहकर व्रत का पालन करें। शाम को पूजा के बाद फलाहार कर सकते हैं। अगले दिन सुबह स्नान के बाद भोजन ग्रहण कर व्रत का पारण करें।

विशेष अनुष्ठान और दान

इस दिन मां मंगला गौरी की पूजा के साथ-साथ भगवान शिव और गणेश जी की पूजा भी करनी चाहिए। शिव परिवार की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। व्रत के दिन दान-पुण्य का भी विशेष महत्व है। किसी गरीब या जरूरतमंद को अन्न, वस्त्र या दक्षिणा दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है।

मंगला गौरी व्रत का महत्व

सावन माह में पड़ने वाले प्रत्येक मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। यह व्रत देवी पार्वती के मंगला गौरी स्वरूप को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से व्रत और पूजा करने से दांपत्य जीवन में आने वाली सभी बाधाएं दूर होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है। जिन महिलाओं के वैवाहिक जीवन में किसी प्रकार की परेशानी चल रही है या जो संतान प्राप्ति की इच्छा रखती हैं, उनके लिए यह व्रत विशेष फलदायी माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस व्रत के प्रभाव से विवाह में आ रही अड़चनें भी दूर होती हैं।

शिव क्यों कहलाते हैं `महादेव ?

सेना ने ऑपरेशन को क्यों दिया ये नाम

भगवान शिव को महादेव कहने के कई कारण हैं, जो उनकी सर्वोच्चता और अद्वितीय गुणों को दर्शाते हैं. भगवान शिव को %देवों के देव% कहा गया है. वे सृष्टि के संहारक, योगियों के आराध्य और त्रिदेवों में एक हैं. चलिए जानते हैं, भारतीय सेना के आतंकवादियों के खिलाफ ताजा ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन महादेव ही क्यों रखा गया है और इस नाम का आध्यात्मिक महत्व क्या है?

महादेव का अर्थ है , सबसे महान देवता, जो समस्त ब्रह्मांड के संचालन में अहम भूमिका निभाते हैं। भगवान शिव को महादेव इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे हिंदू धर्म में देवताओं में सर्वोच्च स्थान रखते हैं। उन्हें ब्रह्मा (सृष्टिकर्ता) और विष्णु (पालक) से भी ऊपर माना जाता है।

शिव संहार के देवता हैं, जो ब्रह्मांड के अंत का प्रतीक हैं। उनकी यह शक्ति उन्हें अन्य देवताओं से अलग बनाती है। वे नटराज के रूप में नृत्य करते हुए ब्रह्मांड का लयबद्ध संहार करते हैं।

वे संहारक हैं, लेकिन शिव को कल्याणकारी भी माना जाता है। वे अपने भक्तों पर कृपा करते हैं और उन्हें मोक्ष प्रदान करते हैं। उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भोले भगवान या आसानी से प्रसन्न होने वाले भगवान।

शिव को अक्सर त्रिमूर्ति (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) का हिस्सा माना जाता है, लेकिन कई शैव परंपराओं में उन्हें इन तीनों से भी परे, संपूर्ण ब्रह्मांड का मूल स्रोत माना जाता है।

भगवान शिव का कश्मीर से गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंध है। कश्मीर को शैव धर्म का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है, जहां कई प्राचीन शिव मंदिर और धार्मिक स्थल मौजूद हैं, जैसे अमरनाथ गुफा।

पहलगाम हमले से जुड़े आतंकवादियों के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन को महादेव नाम इसलिए दिया गया क्योंकि यह नाम न केवल स्थानीय भावना का सम्मान करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि सेना इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और लोगों की आस्था को महत्व देती है। यह नाम आतंकवाद के खिलाफ जीत और बुराई के संहार के प्रतीक के रूप में भी चुना गया है, जैसा कि भगवान शिव बुराई का नाश करते हैं।

उज्जैन का एक ऐसा अनोखा मंदिर जो साल में सिर्फ एक बार ही खुलता है!

देश में ऐसे कई मंदिर हैं जो अपनी अलग मान्यताओं और परंपराओं के लिए प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में एक ऐसा मंदिर भी है जिसमें दर्शन करने से काल सर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इस मंदिर की खास बात है कि यह पूरे साल में सिर्फ एक बार खोला जाता है।

उज्जैन में एक ऐसा मंदिर है जो साल में एक बार खुलता है, वह भी नाग पंचमी के दिन। यह मंदिर उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित है। चलिए हम आपको बताते हैं कि आखिर यह मंदिर साल में एक बार ही क्यों खुलता है।

नागचंद्रेश्वर मंदिर उज्जैन के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है और साल में सिर्फ एक बार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर इसके पट खोले जाते हैं। नाग पंचमी के दिन 24 घंटे के लिए नागचंद्रेश्वर मंदिर के कपाट खुलते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि नागचंद्रेश्वर मंदिर में स्वयं नागराज तक्षक रहते हैं और भगवान शिव की तपस्या करते हैं। इसी वजह से इस मंदिर को पूरे साल बंद रखा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि नागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन से काल सर्प दोष से मुक्ति मिलती है। पौराणिक मान्यता है कि नागों के राजा तक्षक ने महादेव की कठोर तपस्या की, जिससे प्रसन्न होकर शिवजी ने उन्हें अमरता का वरदान दिया। तक्षक नाग ने शिवजी से महाकाल वन में रहने की अनुमति मांगी और शिव ने उन्हें वहां रहने की अनुमति दी।

कहते हैं कि तभी से नागराज तक्षक शिव के साथ रहने लगे। इसलिए यह मंदिर पूरे साल बंद रहता है। नाग पंचमी के दिन, मंदिर को 24 घंटे के लिए खोला जाता है और इस दौरान भारी संख्या में भक्त भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन करते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में भगवान शिव सर्प शैया पर विराजमान हैं, जो कि दुनिया में दुर्लभ है। कहते हैं कि इस मंदिर में स्थापित मूर्ति 7वीं शताब्दी में नेपाल से लाई गई थी और इसे शिव और पार्वती की दुर्लभ प्रतिमा माना जाता है।

मौन में मुखर भक्ति

जब हनुमान जी की दृष्टि एक घायल मोर पर पड़ी, जो राम नाम का जाप नहीं कर रहा था, तो उनका मन व्याकुल हो गया। जहां सभी जीव राम का गुणगान कर रहे थे, वहीं यह मोर निःशब्द पड़ा था। हनुमान जी ने पूछा, 'हे मोर, तुम राम नाम क्यों नहीं जपते?' मोर मौन रहा। हनुमान जी सोच में पड़ गए—क्या यह प्रभु से विमुख है, या इसकी पीड़ा ही इसे मौन बना रही है?

इस संशय को लेकर वे श्रीराम और सीता जी के पास पहुंचे और सारी बात विस्तार से बताई। हनुमान की जिज्ञासा सुनकर श्रीराम मुस्कुरा उठे और बोले, हनुमान, यदि तुम जानना चाहते हो कि भक्ति का असली स्वरूप क्या है, तो इस मोर की सेवा करो। न राम नाम सिखाओ, न कोई प्रवचन दो, बस इसे ठीक करो।

हनुमान जी ने विनम्रता से आज्ञा स्वीकार की। वे दिन-रात उस मोर की सेवा में लगे रहे। अपने उपचार से उन्होंने उसके घाव तो भर दिए, पर मोर अब भी मौन था। एक दिन, जब हनुमान उसकी सेवा में लीन थे, उन्होंने देखा कि मोर की आंखों से अश्रु बह रहे हैं और उसकी दृष्टि में श्रीराम की छवि स्पष्ट प्रतिबिंबित हो रही है। उस क्षण हनुमान को अनुभूति हुई — 'यह तो राम को उसी तरह देख रहा है जैसे मैं।' उनकी आंखें भर आईं।

वे श्रीराम के पास लौटे और भावुक होकर बोले, 'प्रभु, अब मैं समझ गया। जो बोल नहीं सकता, वह भी भक्ति के उच्चतम शिखर पर हो सकता है।' श्रीराम मुस्कुराए और बोले, 'हनुमान, भक्ति शब्दों से नहीं, सेवा, करुणा और प्रेम से मापी जाती है।'

सीता जी ने भी कहा, 'वाणी शरीर की होती है, पर भक्ति आत्मा की — और आत्मा तो मौन में ही सबसे मुखर होती है।'

मनसा देवी को क्यों कहते हैं नागों की देवी? क्या है भगवान शिव से संबंध

देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित मनसा देवी मंदिर की बहुत विशेष मान्यता है और लाखों लोग दर्शन करने आते हैं। यह मंदिर मनसा देवी को समर्पित है। इस मंदिर को लेकर कहा जाता है कि इस मंदिर में मांगी गई मन्नत को माता मनसा देवी अवश्य पूरी करती हैं। इस मंदिर में लोग काल सर्प की पूजा करवाने के लिए भी दूर-दूर से आते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में काल सर्प दोष निवारण पूजा कराने से शीघ्र ही इस दोष से मुक्ति मिल जाती है। नाग पंचमी के विशेष अवसर पर हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर का इतिहास

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर का निर्माण मनी माजरा के राजा गोपाल सिंह ने सन 1811 से 1815 में करवाया था। कहते हैं कि राजा गोपाल सिंह मनसा देवी के अटूट भक्त थे। पहले वो मनसा देवी के मंदिर तक एक गुफा के जरिये उनके दर्शन करने आते थे। लेकिन बाद में उन्होंने एक मन्नत मांगी और जब यह मन्नत पूरी हो गई तो उन्होंने वहां पर एक मंदिर बनवाया, जिसे मनसा देवी मंदिर कहते हैं।

वैसे तो देश में मनसा देवी के कई मंदिर हैं, लेकिन हरिद्वार और पंचकुला में स्थित मंदिर बहुत प्रसिद्ध है। पंचकुला स्थित मनसा देवी के मंदिर को 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां माता सती के सिर का अगला वाला भाग गिरा था।

मनसा देवी को सांपों की देवी क्यों कहते हैं?

हिंदू धर्म में माता मनसा को नाग माता या सर्पों की देवी कहा जाता है। मनसा देवी को नागों के राजा वासुकी की बहन भी माना जाता है। एक कथा के अनुसार, मनसा देवी की हमेशा 7 नाग रक्षा करते हैं। कई जगह इनकी गोद में एक बालक भी दिखाई पड़ता है, जो इनका पुत्र आस्तिक है। कहते हैं कि मनसा देवी के पुत्र आस्तिक ने नाग वंश की रक्षा की थी। सर्प पर विराजित होने की वजह से इन्हें नागों की देवी भी कहा जाता है। इसी कारण सांप काटने या इससे जुड़ी बाकी परेशानियों का समाधान पाने के लिए लोग मनसा देवी की पूजा करते हैं। कहीं-कहीं मनसा देवी को वासुकी भी कहते हैं। कद्रू और कश्यप के पुत्र वासुकी की बहन होने के कारण इनका नाम वासुकी पड़ा था।

मनसा देवी की पूजा क्यों की जाती है?

मनसी देवी की पूजा विशेष रूप से बिहार, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, असम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में की जाती है।

मनसा देवी की पूजा मुख्य रूप से सर्पदंश से बचने और इलाज के लिए की जाती है। देवी को भक्तों के प्रति दयालु और धर्म पर न चलने वालों के प्रति गुस्से वाली देवी कहा जाता है। मनसा देवी की पूजा विशेष रूप से नाग पंचमी के दौरान की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मनसा देवी की पूजा-अर्चना से सर्प-दंश, बुखार और कई बीमारियों से मुक्ति मिलती है। ऐसा माना जाता है कि मनसा देवी की पूजा करने से सांप के काटने का भय नहीं रहता है।

मनसा देवी और भगवान शिव में संबंध

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मनसा देवी भगवान शिव की मानस पुत्री हैं, क्योंकि इनका जन्म भगवान शिव के मन से हुआ था। एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के मुताबिक, समुद्र मंथन के दौरान हलाहल विष निकला था।

संसार की रक्षा करने के लिए भगवान शिव से इस विष को अपने गले में धारण कर लिया था, जिसकी वजह से उनका गला नीला पड़ गया था। तब भगवान शिव ने अपने मानस से एक विष कन्या को जन्म दिया, जिसने भोलेनाथ के गले का सारा विष बाहर निकाला। यही विष कन्या मनसा देवी कहलाईं और इसलिए उन्हें विष की देवी के रूप में भी पूजा जाने लगा।

सावन महीना चल रहा है, शुभ काम नहीं होंगे... ऐसा क्यों कहती हैं दादी-नानी?

भारत में हर माह और ऋतु का अलग महत्व है लेकिन श्रावन मास धार्मिक, सांस्कृतिक नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन का महीना खासतौर पर भगवान शिव को समर्पित होता है और इस दौरान व्रत, पूजा और अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। मगर, इस महीने में मांगलिक कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, नामकरण आदि करने की मनाही होती है। आपने अक्सर बड़े-बुजुर्गों को भी कहते हुए सुना होगा कि सावन महीने में शुभ काम नहीं करने चाहिए। चलिए आपको बताते हैं कि आखिर सावन महीने में मांगलिक कार्यों करने क्यों वर्जित होते हैं।

सावन में क्यों नहीं करने चाहिए शुभ काम?

धार्मिक मान्यता है कि इस महीने में भगवान शिव तपस्या में लीन रहते हैं इसलिए मांगलिक कार्यों करने की मनाही होती है। विवाह और अन्य शुभ कार्यों को आनंद, उल्लास और सामाजिक उत्सव का रूप माना जाता है। परंतु सावन में शिव की तपस्या को ध्यान में रखते हुए ऐसे कार्यों को करना अनुचित माना जाता है क्योंकि यह एक प्रकार से ईश्वरीय साधना में विघ्न उत्पन्न करना माना है।

भगवान शिव-माता पार्वती से जुड़ी कथा

हिंदू धर्मग्रंथों और पुराणों में सावन महीने का संबंध पार्वती और शिव की कथा से भी जोड़ा जाता है। देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक कठिन तप किया था। उनका यह तप विशेष रूप से सावन माह में किया गया था। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने माता पार्वती को अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया।

इस कारण से सावन को तप और भक्ति का मास माना जाता है, न कि भौतिक सुख-सुविधाओं या विवाह जैसे कार्यों का। इस समय को आत्मशुद्धि और शिव की भक्ति में लीन रहने का अवसर माना गया है।

क्या कहता है ज्योतिष शास्त्र?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सावन के महीने में सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करता है, जिसे दक्षिणायन कहा जाता है। दक्षिणायन काल को देवताओं की रात्रि माना जाता है। इस समय ग्रहों की चाल और उनकी स्थिति शुभ नहीं मानी जाती, विशेषकर विवाह और गृह प्रवेश जैसे कार्यों के लिए।

इस समय बृहस्पति ग्रह (गुरु) जो विवाह के लिए सबसे प्रमुख ग्रह माने जाते हैं, कई बार वक्री या अस्त हो जाते हैं। जब गुरु अस्त होते हैं तो गुरु तारा अस्त कहलाता है, जो विवाह जैसे कार्यों के लिए अशुभ समय माना जाता है। इसी कारण से इस काल को अशुभ काल मानते हैं और शुभ कार्यों से परहेज किया जाता है।

धनुष के साथ अगली फिल्म में काम करेंगे मारी सेल्वराज, कर्णन में हिट रही थी जोड़ी

साउथ के सुपरस्टार धनुष कई अपकमिंग फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसे में साउथ के निर्देशक मारी सेल्वराज ने जानकारी दी है कि वह अपनी अगली फिल्म में अभिनेता धनुष के साथ फिर से काम करेंगे। दोनों ने आखिरी बार 2021 की फिल्म कर्णन में साथ काम किया था। यह फिल्म कामयाब रही थी। समीक्षकों ने भी इसकी काफी तारीफ की थी।

धनुष के साथ काम करेंगे निर्देशक मारी सेल्वराज

एक समारोह में फिल्म निर्माता मारी सेल्वराज ने कहा अगली फिल्म में मैं धनुष सर के साथ काम करूंगा। हमने यह फिल्म तब साइन की थी जब मैं धनुष सर के साथ कर्णन पर काम कर रहा था। जिस फिल्म के लिए हमने उस समय साइन किया था, वह कई कारणों से टल रही थी। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। मैं एक साधारण कहानी को बड़े पैमाने पर बताना चाहता था। यह फिल्म वही प्रोजेक्ट है। मुझे लगता है कि यह फिल्म बहुत अहम होगी। इस फिल्म पर काम शुरू हो गया है और चल रहा है। मुझे यकीन है कि यह फिल्म मेरी जिंदगी में एक मील का पत्थर साबित होगी।

फिल्म को लेकर लग रहीं अटकलें

हालांकि इस अनाम फिल्म के बारे में और जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन निर्देशक के बयान से लगता है कि इसमें भावनात्मक गहराई और दूसरी चीजें भी होंगी। हाल ही में हुए ऐलान ने फिल्म के सहायक कलाकारों और रिलीज की समय-सीमा को लेकर अटकलों को हवा दे दी है। हालांकि इनमें से किसी भी चीज का खुलासा नहीं किया गया है।

धनुष का वर्कफ्रंट

अगर धनुष की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म कुबेर में नजर आए थे। फिल्म काफी कामयब रही। इसमें नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सरभ भी अहम भूमिकाओं में थे। धनुष जल्द ही फिल्म इडली कढ़ाई में दिखाई देंगे। फिल्म में नित्या मेनन, अरुण विजय, शालिनी पांडे, प्रकाश राज और राजकिरण होंगे। धनुष ने हाल ही में फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी की है, जिसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और इसमें उनके साथ कृति सेनन हैं।

धड़क 2 की कहानी सोचने पर मजबूर कर देगी

गैर फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली तृप्ति डिमरी एनिमल की सफलता के बाद अब एक और बड़ी फिल्म धड़क 2 में लीड रोल निभा रही हैं। यह फिल्म जातिगत भेदभाव के बीच प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें तृप्ति के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। पेश हैं तृप्ति से खास बातचीत...

मुंबई आने का फैसला करियर का एक अहम मोड़ था...
मुंबई आना मेरे करियर का सबसे अहम मोड़ था। उस वक्त दो ही रास्ते थे। एक तो जोखिम उठाकर यहां आऊं या दूसरा कि सब कुछ छोड़ दूं। रिश्तेदारों को शक था कि बिना किसी कनेक्शन के मैं कैसे आगे बढ़ पाऊंगी। माता पिता भी डरे हुए थे। काफी बहस और तनाव के बाद मैं निकली थी। आज जब पीछे देखती हूं, तो गर्व होता है कि मैंने वो कठिन लेकिन सही फैसला लिया। उस वक्त रोना आता था, पर आज मैं बहुत खुश हूं।

कैमरे के सामने एक्टिंग करना बड़ी बात थी...
इंडस्ट्री में खुद पर भरोसा करना आसान नहीं था। शुरुआत में न फील्ड की समझ थी, न यकीन कि कर पाऊंगी या नहीं। जब पहली फिल्म मिली, तो मुझे अपना काम खास नहीं लगा, लेकिन लोगों ने सराहा। असली उपलब्धि यह थी कि मैं हमेशा अंतर्मुखी रही हूं और कैमरे के सामने एक्टिंग करना मेरे लिए बड़ी बात थी। धीरे-धीरे मैंने एक्टिंग और खुद को समझा। आज स्क्रिप्ट मिलते ही थोड़ा डर जरूर लगता है लेकिन अब भरोसा होता है कि मैं हर तरह का किरदार निभा लूंगी।

शूटिंग में क्लास बंक करके मुझे देखने आते थे लड़के

रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल की सफलता के बाद ऐसा कोई वीआईपी ट्रीटमेंट तो नहीं मिला है लेकिन मैंने यह देखा है कि जब कोई फिल्म आत्मविश्वास के साथ रिलीज होती है, तो उसके बाद जब आप कोई अगली फिल्म करते हैं, तो उसकी शूटिंग के दौरान कुछ नया ही देखने को मिलता है। जैसे हम धड़क 2 के लिए एक नेशनल कॉलेज में कॉलेज में शूट कर रहे थे, वह बहुत सारे लड़के थे। सिद्धांत ने मुझे बताया करता था कि पूरा कॉलेज ही दीवाना सा हो गया है। क्लासेस बंक हो रही हैं, लड़के क्लास में नहीं रहते हैं। सब मुझे देखने आते हैं।

धड़क 2 जैसी स्क्रिप्ट्स कम ही मिलती हैं...

करण जौहर सर का फोन आया था और उन्होंने शाजिया इकबाल का नाम लिया। फिर जब मैं पहली बार धड़क 2 को लेकर शाजिया इकबाल से मिली, तो कहानी सुनते ही उससे एक जुड़ाव महसूस हुआ। मुझे लगा कि यह वही कहानी है जिसे हर हाल में करना चाहिए। यह सोचने पर मजबूर करती है और ऐसी स्क्रिप्ट्स कम ही मिलती हैं। उस दिन से अब तक मैं शुक्रगुजार हूं कि इसका हिस्सा बन पाई।

मेरी पिछली फिल्में भी सराही गईं...

परफॉर्मेंस को लेकर आत्मविश्वास तो मुझमें काफी पहले से आ गया था, किस्मत से जब मेरा काम लोगों को पसंद आने लगा था। जब ऐसा कुछ होता है, तो आप बहुत आभारी महसूस करते हैं क्योंकि आप चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग आपकी फिल्में देखें, आपका काम देखें और एनिमल की वजह से भी ऐसा हुआ। एनिमल रिलीज होने के बाद यह हुआ कि लोगों ने मेरा पिछला काम भी देखा। जिनमें बुलबुल, कला, लैला मजनू जैसी फिल्में शामिल हैं। मुझे लगता है कि यह एनिमल से मिला सबसे बड़ा उपहार था। बाकी कभी मौका मिला तो मैं कभी अलविदा न कहना की रीमेक करना चाहूंगी। वह मेरे दिल के बहुत करीब है। वैसे तो करण सर की हर फिल्म बेहद अलग होती है। वह कुछ सवालों के जवाब ढूंढ रही होती है। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहूंगी।

लंदन में परेशान हुईं आरजे महवश, शेयर किया बुरा अनुभव

आरजे महवश इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी निजी जिंदगी। दरअसल, महवश का नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से जोड़ा जा रहा है। दोनों के कथित डेटिंग की खबरें काफी वक्त से आ रही हैं। यहां तक कि इस वक्त दोनों साथ में लंदन में हैं, इसका संकेत भी महवश ने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिया। महवश लंदन से लगातार अपनी स्टाइलिश फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं। मगर, लंदन ट्रिप के दौरान उन्हें कुछ खराब अनुभव भी हुए हैं और अनुभव भी ऐसे हैं कि महवश ने लंदन जाने तक से तौबा कर ली है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि लंदन में जाम और भीड़ से वे तंग आ गई हैं। ऊपर से वहां चोरी की घटनाएं भी होती हैं।

काम न हो तो कभी न आऊं इस जगह

महवश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें लंदन की सडकों पर जाम देखा जा सकता है। इसके साथ आरजे महवश ने लिखा है, ये लंदन है भाई। ट्रैफिक जाम, भीड़, चोरी तो इतनी के कोई घड़ी, बैग, कंगन, नहीं पहन रहा और आज कल चाकू भी मार जा रहे हैं चोरी के साथ-साथ। काम ना हो तो मैं इस जगह कभी वापस ना आऊं!

धनश्री वर्मा से तलाक के बाद जुड़ा महवश से नाम

धनश्री वर्मा के साथ तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया गया है। हालांकि, डेटिंग की कथित खबरों पर अब तक चहल और महवश दोनों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत तो देते रहते हैं कि इनके बीच नजदीकियां हैं। देखना दिलचस्प होगा कि ऐसी अफवाहों पर दोनों कब चुप्पी तोड़ते हैं। बता दें कि चहल ने साल 2020 में धनश्री वर्मा से शादी की। 2025 में दोनों का तलाक हो गया है।

रश्मिका ने डियर डायरी परफ्यूम लॉन्च को बताया प्यार और जादू का संगम

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपना परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी लॉन्च कर दिया है। जिसको लेकर उन्होंने बताया, कि वह इसको लंबे समय से लॉन्च करने के बारे में सोच रही थी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह लंबे समय से अपना परफ्यूम ब्रांड लॉन्च करना चाहती थी, क्योंकि परफ्यूम हमेशा- से ही उनके दिल के करीब रहा है। इसी को लेकर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने परफ्यूम को लिए नजर आ रही हैं। पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, सच कहूं तो इसे लॉन्च करने का विचार मेरे मन में काफी लंबे समय से था। परफ्यूम हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। छोटी-छोटी यादें ताजा करने वाली ये बोतलें, जिसे हम साथ लेकर चलते हैं, यह हमारे जीवन में कई निशान छोड़ जाते हैं। अपने परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी को मार्केट में लाने के पीछे पूरी कहानी बताते हुए रश्मिका ने लिखा, एक छोटी सी सोच से लेकर ढेरों मीटिंग्स, कई मूडबोर्ड और बहुत सारे खूशबूदार परफ्यूम की टेस्टिंग, लंबी बातचीत तक, इसकी हर छोटी-छोटी बातें मायने रखती, हर कदम खास है। रश्मिका ने बताया कि इतनी मेहनत के बाद, उन्हें तीन परफ्यूम मिले, जिनके बारे में उन्हें लगा कि ये परफ्यूम उन्हें ब्रांड में रखना चाहिए। जिसकी खूशबू लोगों को पसंद आएगी। अभिनेत्री ने इससे पहले अपने फ्रेगरेंस ब्रांड के लॉन्च की घोषणा की थी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने लिखा कि परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी मेरे निजी जीवन के अनुभवों और विचारों से प्रेरित है।

एक्शन-ड्रामा से भरपूर नई वेब सीरीज के लिए शिवांगी वर्मा उत्साहित

तेरा इश्क मेरा फितूर, छोटी सरदारनी और बैडएस रविकुमार जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकीं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा जल्द ही नई वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसका हिस्सा बनकर वह बेहद उत्साहित हैं। यह सीरीज हंगामा प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी और इसमें एक्शन, ड्रामा, प्यार और कई ट्विस्ट्स हैं। शिवांगी ने कहा, मैं इस नई सीरीज का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरा किरदार बहुत ही मजेदार, मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, वरना कहानी का राज खुल जाएगा। यह सीरीज एक्शन, ड्रामा, प्यार और सरप्राइज से भरपूर है। आप देखकर हैरान होंगे कि एक लड़की मुश्किल हालात में क्या-क्या कर सकती है।

उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए खास है। शिवांगी ने बताया, मैं हमेशा से वेब सीरीज की फैन रही हूं। यह एक्टिंग का ऐसा माध्यम है, जो भावनाओं और किरदार के विकास को गहराई से दिखाने का मौका देता है। जब मुझे इस कहानी के बारे में बताया गया, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। यह किरदार वैसा ही है, जैसा मैं निभाना चाहती थी - मजेदार और सरप्राइज से भरा। शिवांगी ने को-एक्टर्स की तारीफ करते हुए कहा कि शानदार टीम के साथ काम करना इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया, जब आपके साथ टैलेंटेड और अनुभवी कलाकार हों, तो स्क्रीन पर केमिस्ट्री साफ दिखती है। यह पूरी सीरीज को खास बना देता है। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बताने से इनकार किया, हालांकि थोड़ा हिंट देते हुए कहा, मेरा लुक ग्लैमरस और आकर्षक है। यह सीरीज एक मसाला जॉनर है, जिसमें हर तरह का मनोरंजन है।

अपनी डेब्यू फिल्म से रातोंरात स्टार बने ये चेहरे, फिल्म इंडस्ट्री से नहीं है परिवार का नाता

बॉलीवुड में ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों का दिल जीत लिया और रातोंरात स्टार बन गईं। खास बात यह है कि इन सितारों का फिल्म इंडस्ट्री से कोई पारिवारिक नाता नहीं रहा है। अपनी मेहनत, टैलेंट और किस्मत के दम पर इन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई।

अनीत पड्डा- सैयारा

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सैयारा दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। इस फिल्म को मोहित सूरी ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा ने अहम भूमिका निभाई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है। अनीत ने फिल्म सैयारा से बतौर लीड एक्ट्रेस कदम रखा है। हालांकि अनीत पहले काजोल की फिल्म सलाम वेंकी में नजर आ चुकी हैं। अनीत का फिल्म इंडस्ट्री से कोई सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने अपने दम पर इस मुकाम को हासिल किया। उनकी खूबसूरती और नैचुरल एक्टिंग ने उन्हें तुरंत फैंस का चहेता बना दिया।

कृति सेनन-हीरोपंति

कृति सेनन ने फिल्म हीरोपंति से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में वह टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आईं। इन दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। कृति का परिवार फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है, लेकिन उनकी खूबसूरती, डांस और एक्टिंग स्किल्स ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। हीरोपंति की सफलता के बाद कृति ने कई हिट फिल्में दीं, जिसमें बरेली की बर्फी, लुका छुपी, और मिमी शामिल हैं। आज कृति की गिनती बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में होती है।

दीपिका पादुकोण-ओम शांति ओम

दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में एंट्री की। इस फिल्म में उनकी मासूमियत और खूबसूरती ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। दीपिका का फिल्म इंडस्ट्री से कोई पारिवारिक कनेक्शन नहीं रहा है। दीपिका ने अपनी मेहनत और एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। ओम शांति ओम की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद दीपिका ने पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, और पीकू जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। आज वह न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

दिशा पाटनी-एम एस धोनी

दिशा पाटनी ने 2016 में फिल्म एम एस धोनी - द अनटोल्ड स्टोरी से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस बायोपिक फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई। दिशा का परिवार भी फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है, लेकिन उनकी खूबसूरती और स्क्रीन प्रजेंस ने उन्हें तुरंत फैंस का फेवरेट बना दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद दिशा ने बागी 2, भारत, और मलंग जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी फिटनेस, डांस और स्टाइल ने उन्हें युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय बनाया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 140वीं बोर्ड बैठक

ऐमनाबाद बांध पर रेगुलेटर का निर्माण

सीआईएसएफ के स्टाफ को किराए पर आवास

बहुमंजिला फ्लैट आवंटियों के लिए ओटीएस मंजूर

31 दिसंबर बकाया प्रीमियम व लीज डीड पर विलंब शुल्क के ब्याज पर राहत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ईडब्ल्यूएस से लेकर 121 वर्ग मीटर एरिया तक के बहुमंजिला फ्लैट आवंटियों को बड़ी राहत दे दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव व ग्रेनो प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न 140वीं बोर्ड बैठक में बहुमंजिला फ्लैटों के आवंटियों के लिए बकाया प्रीमियम व लीज डीड पर विलंब शुल्क के ब्याज पर राहत देने लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को मंजूरी दे दी गई है। यह ओटीएस 31 दिसंबर 2025 तक के लिए लागू होगी। लगभग 2000 फ्लैट खरीदारों को राहत मिल जाएगी।

प्राधिकरण के संपत्ति विभाग की तरफ से बहुमंजिला फ्लैटों के आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का प्रस्ताव रखा गया। विभाग की तरफ से बोर्ड को बताया गया कि एकमुश्त समाधान योजना लागू करने से लगभग 2000 बहुमंजिला फ्लैटों की लीज डीड होने निष्पादित होने का अनुमान है। बोर्ड ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। ओटीएस के लागू होने से प्रीमियम की बकाया धनराशि और लीज डीड के विलंब शुल्क पर राहत मिल जाएगी। प्राधिकरण इस निर्णय का कार्यालय आदेश शीघ्र जारी करेगा, जिसमें ओटीएस के लागू होने की तिथि भी निर्धारित रहेगी। सोमवार को बोर्ड बैठक के दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव, एडीएम बच्चू सिंह, ओएसडी अभिषेक पाठक, जीएम वित्त विनोद कुमार, जीएम नियोजन लीनू सहगल, ओएसडी एनके सिंह, जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक मनोज सचान आदि अधिकारी मौजूद रहे।

सीआईएसएफ के स्टाफ को किराए पर आवास

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के स्टाफ को किराए पर आवास उपलब्ध कराने पर प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। सेक्टर ओमीक्रॉन वन ए स्थित 467 फ्लैट रिक्त हैं। ये फ्लैट एमआईजी व एलआईजी कैटेगरी के हैं। इससे नोएडा एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात होने वाले सीआईएसएफ के स्टाफ को बड़ी सुविधा हो जाएगी।

ऐमनाबाद बांध पर रेगुलेटर का निर्माण

ग्रेटर नोएडा। बारिश के समय हिंडन नदी में बाढ की स्थिति होने पर शहर में पानी आने से रोकने के लिए ऐमनाबाद बंध पर रेगुलेटर का निर्माण कराये जाने पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। यह कार्य सिंचाई विभाग कराएगा। इसे बनाने का खर्च ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण वहन करेगा। बोर्ड से मंजूरी होने के बाद अब प्राधिकरण सिंचाई विभाग को 10.56 करोड़ रुपये का भुगतान शीघ्र ही कर देगा। सिंचाई विभाग टेंडर प्रक्रिया पूरी कर रेगुलेटर का निर्माण शुरू करेगा। इस रेगुलेटर के बनने से बाढ़ के दौरान पानी शहर में आने से रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही बिसरख ड्रेन से डूब क्षेत्र में कटाव को रोकने में भी मदद मिलेगी।

स्कीम	एरिया	फ्लैटों की सं.
1. बीएचएस 05	40	2
2. बीएचएस 7	32	19
3. बीएचएस 10	40	92
4. बीएचएस 10	31	24
5. बीएचएस 11	30	52
6. बीएचएस 12	86	38
7. बीएचएस 12	101.77	69
8. बीएचएस 12	120.78	177
9. बीएचएस 13	86.67	6
10. बीएचएस 13	40	3
11. बीएचएस 13	120.78	10
12. बीएचएस 13	120	27
13. बीएचएस 13	31	2
14. बीएचएस 13	101	1
15. बीएचएस 13	90	1
16. बीएचएस 14	35.96	143
17. बीएचएस 15	32	1
18. बीएचएस 15	101.77	3
19. बीएचएस 15	120.78	5
20. बीएचएस 16	29.76	1221
21. बीएचएस 17	54.29	16
22. बीएचएस 17	58.18	114
23. बीएचएस 17	83.38	4

ईवीएम वेयर हाउस का डीएम ने किया निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी जिलाधिकारी न्यायिक भैरपाल सिंह, जिला निर्वाचन कार्यालय एवं पुलिस के सम्बन्धित अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट ने वेयर हाउस में निरीक्षण के दौरान ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस के ताले पर लगी सील की जांच की, जो की सही पाई गई। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा सीसीटीवी कैमरों का भी गहनता से देखा, सभी कैमरे क्रियाशील पाए गए। इस दौरान खिड़कियों एवं रोशनदान की सुरक्षा का भी जायजा लिया जो की संतोषजनक मिली। इस अवसर पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे संबंधित पुलिस अधिकारियों को ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के दृष्टिगत एवं सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिये।

मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट में स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस गोदाम में पहुंचकर मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर

गौतमबुद्धनगर में 1 अगस्त को 5 जगह होगी मॉकड्रिल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में भूकंप एवं औद्योगिक खतरा व आपदा से निपटने के लिए आगामी 1 अगस्त को मॉकड्रिल (एक्ससाइज सुरक्षा चक्र) की जाएगी। मॉकड्रिल की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कलैक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा की मॉकड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को परखना और विभागों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करना है। उन्होंने पुलिस विभाग, नगर पालिका, एनडीआरएफ, चिकित्सा विभाग, पूर्ति विभाग, नागरिक सुरक्षा, सूचना विभाग, यातायात विभाग, एनसीसी, विद्युत विभाग, जल निगम, अग्निशमन विभाग, परिवहन विभाग तथा होमगार्ड विभाग के अधिकारियों को मॉक ड्रिल के लिए चिन्हित किए गए स्थान पर समय से पहले पहुंचकर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मॉकड्रिल के माध्यम से जनपद की आपदा प्रबंधन क्षमता को परखा जाएगा, अत: सभी विभाग अपनी भूमिका का समुचित निर्वहन करें।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने मॉकड्रिल की अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद के पांच स्थानों सावित्रीबाई फुले बालिका इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा, डब्ल्यूएचओ टाउनशिप गुरजिंदर विहार ग्रेटर नोएडा, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्रेटर नोएडा, आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स ग्रेटर नोएडा तथा विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आपदा से बचाव और त्वरित राहत की कार्रवाई के लिए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को स्टेजिंग एरिया एवं रेस्पांडर कैंप, डीईओसी कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा को कम्युनिकेशन सेंटर, जिलाधिकारी कार्यालय को इंसीडेंट कमाण्ड पोस्ट, शारदा हॉस्पिटल को मेडिकल कैंप तथा मलकपुर स्टेडियम ग्रेटर नोएडा को राहत कैंप के रूप में चिन्हित किया गया है।

बैठक में उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी, एनडीआरफ, सीआरपीएफ, आइटीबीपी, पीएसी 49, पूर्ति विभाग, यातायात विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, परिवहन तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित है।

धर्म संसद में उठी आवाज, फिल्म उद्योग पर कड़ी नीति बनाये सरकार

नोएडा (चेतना मंच)। धर्म नगरी नोएडा में सनातन धर्म संसद का आयोजन सेक्टर-20 में

हुआ, इस धर्म संसद में देश के कोने कोने से आये धर्मगुरु, धर्माचार्य, योगी, प्रखर सनातनी सभी ने विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा की. जिसमे फिल्म इंडस्ट्री पर कड़ा कानून ये प्रमुख विषय रहा। सनातन धर्म संसद के बारे में आयोजक परम पूज्य राम अवतार जी महाराज (अयोध्या वाले)ने इस धर्म संसद की प्रस्तावना से सबको अवगत कराया, जिसका सभी धर्मगुरु, धर्माचार्य और हज़ारो की संख्या में आए नोएडावासिओ ने ध्वनिमत से निम्न बिन्दुओं का समर्थन किया।

फिल्म इंडस्ट्री पर कड़ा कानून लागू हो, समान नागरिक संहिता लागू हो, गाय को 'राष्ट्रमाता' घोषित करें, जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू हो, हिंदू राष्ट्र की घोषणा करे।

सनातन धर्म संसद के आरंभ में मुख्य अतिथि जूना अखाड़ा अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि समय आ गया है सभी सनातनि एकजुट हो, सनातन धर्म के पूरे विश्व में बढते प्रभाव के कारण आज उसके खिलाफ देश-विदेश में अनेक प्रकार के षडयत्र हो रहे हैं। इन सभी षडयंत्रों को असफल बनाने के लिए संतों को आगे आना होगा और हिंदुओं को एकजुट करना होगा।

सनातन धर्म संसद में स्वामी प्रशांत गिरि महाराज, योग साधक सतीश उपाध्याय एवं देश के विभिन्न कोने से आये वक्ताओं ने अपने विचार रखे। सनातन धर्म संसद में नोएडा सांसद डॉ. महेश शर्मा, नोएडा बीजेपी जिला अध्यक्ष महेश चौहान आदि जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी ने सरकार तक ये मांग रखने और उचित कार्यवाही का समर्थन किया।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में सनातन धर्म संसद आयोजक राम अवतार महाराज (अयोध्या वाले) ने निवेदन किया सरकार एक विशेष सत्र बुलाये और फिल्म उद्योग के लिए नीति और एक कड़ा कानून बनाये।

ब्रम्हचारी कुटी में भगवान शिव का हुआ रुद्राभिषेक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में पावन श्रावण मास के तृतीय सोमवार को महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया गया।

प्रात:कालीन बेला में आचार्य अमित दीक्षित द्वारा मंत्रोच्चार के बीच दुग्धधारा से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। इस दौरान शिव परिवार की पूजा अर्चना की गई साथ ही भोलेनाथ का श्रृंगार भी किया गया। रुद्राभिषेक के बाद हवन हुआ और आरती के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।

इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि भगवान भोलेनाथ अपने भक्त की थोड़ी सी सेवा से ही जल्द प्रसन्न हो जाते हैं इसलिए उनको आशुतोष भी कहा जाता है। श्रावण मास में की गई शिव आराधना अनंत गुना फल देने वाली है। भगवान शिव से सभी के कल्याण की प्रार्थना करता हूं कि वह सभी को निरोग, निर्विघ्न, निर्विकार रखें।

इस अवसर पर अशोक कुमार, ओम कुमार, रवि राघव, सुशील पाल, शिववृत तिवारी सहित तमाम शिव भक्त मौजूद रहे।

अंतरंग उत्सव में नयनाभिराम प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंटरनेशल सेंटर नई दिल्ली में रविवार को अंतरंग उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रभांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स और आईआईएसडीईएस के सहयोग से किया गया। जिसकी अगुवाई सेक्टर 70 पैन ओएसिस निवासी नृत्यांगना डॉ.प्रभा दुबे की अगुवाई में किया गया जिसमें कलाकार छात्राओं ने प्रस्तुतियां दी व नृत्यों से समां बांध दिया।

इस दौरान पद्मश्री नलिनी और कमलिनी ने बच्चों को पुरस्कार दिया और प्रभा के इस प्रयास की सराहना की इस दौरान गौरव गुप्ता व मध्यप्रदेश सरकार के एमएलए राजेन्द्र भारती समेत कई अतिथि मौजूद रहे।

सीबीएसई बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान

नोएडा (चेतना मंच)। विश्व जैन संगठन, नोएडा ब्रांच द्वारा पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर-50 में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीबीएसई बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को उनके अभिभावकों तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसीपी (दिल्ली) मानास्वी जैन थे। उनके साथ मंच पर विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन एवं परम संरक्षक दिनेश जैन भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि मानास्वी जैन ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। हमें उनके साथ खड़े रहकर उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए। विश्वजैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय द्वारा 101 दिन कि गिरनार (गुजरात)पैदल यात्रा पूरी करने पर उनको सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष के.के. जैन ने कहा कि विश्व जैन संगठन हर वर्ष इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है और भविष्य में भी छात्रों को प्रेरित करने के लिए ऐसे आयोजन लगातार किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम में दिनेश जैन (सचिव) योगेश किशोर जैन विकास जैन (युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष) अध्यक्ष सेक्टर-18 मार्केट, सुशील जैन, रितेश जैन, राहुल जैन, पंकज जैन, दीपक जैन, गौरव जैन, राजेश जैन, राकेश जैन, प्रदीप जैन, अंशुल जैन, हरीश जैन, श्रीमती मीनू जैन, श्रीमती नीरू जैन, अंजना जैन, विपिन जैन तथा समाज के अनेक सदस्य, महिलाओं, युवा व बच्चे उपस्थित रहे।

यमुना प्राधिकरण लाए ट्रांसपोर्टनगर की स्कीम: चौ. वेदपाल

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध सयुंक्त ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ. वेदपाल सिंह के नेतृत्व मे यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह को सैक्टर-33 यमुना प्राधिकरण क्षेत्र मे निधारित ट्रांसपोर्टर नगर की स्कीम लाकर प्लाट आवंटन करने के लिए मांग पत्र दिया। जिसमें मुख्य मांग मे गौतमबुद्धनगर के ट्रांसपोर्टरो को प्राथमिकता के आधार पर प्लाट आवंटन किए जाए जिस मे ट्रक (माल वाहक) बस, कैब आदि के लिए अलग ब्लोक अलग पार्किंग एवम 120 मीटर व 250 मीटर के 2 कटेगीरी मे प्लाट दिए जाए व अन्य सभी सुविधाए दी जाए यह सुझाव भी दिया। इस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने जल्द से जल्द स्कीम लाने की बात कही ओर गौतमबुद्धनगर संयुक्त ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ0वेदपाल सिह के साथ मुख्य रूप से महावीर नागर, योगेश वर्मा, विजयपाल भाटी, आदि ट्रांसपोर्टर मौजूद थे।

जन्मदिन की बधाई

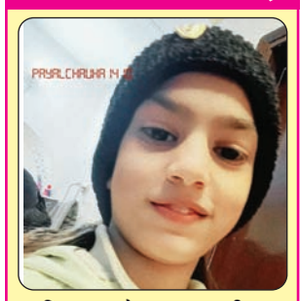

पिता रामकेश, माता-नीतू चौहान की पुत्री यशोदा (जन्मतिथि 29/7/2012) निवासी-फेस 3 मयूर विहार दिल्ली के 13वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनायें।

चेतना मंच परिवार